दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, चुरू, नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 43 | डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, मंगलवार 4 मार्च, 2025 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | मूल्य : 1.5 रुपए | पृष्ठ : 8+2

न्यूज इनबॉक्स

आईआईटी बाबा अभय सिंह को हिरासत में लिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। जयपुर पुलिस ने रविवार को IIT बाबा अभय सिंह को डिटेन किया। बाबा की लोकेशन ट्रेस करने के बाद पुलिस ने रिद्धि-सिद्धि इलाके के एक होटल में छापा मारा और उन्हें हिरासत में लिया। शिप्रापथ थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बाबा रिद्धि-सिद्धि स्थित एक होटल में ठहरे हुए हैं और वहां हंगामा कर रहे हैं। शिप्रापथ

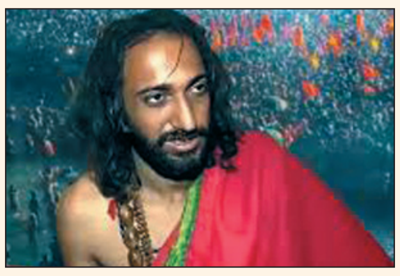

थाना प्रभारी राजेन्द्र गोदारा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बाबा को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान बाबा के पास से मादक पदार्थ बरामद हुआ। हालांकि, बरामद मादक पदार्थ की मात्रा बेहद कम थी, जिसके चलते इसे बेलेवल ऑफेंस माना गया। पुलिस ने बाबा को सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया और थाने लौट आई।

शेयर बाजार में गिरावट से एनपीएस में शामिल कार्मिकों को भी झटका

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। शेयर बाजार में लगातार हो रही गिरावट से जहां एक तरफ निवेशकों को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं एनपीएस में शामिल सरकारी कर्मियों को भी इससे झटका लगा है। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल के मुताबिक, पिछले सात दिनों में 91 लाख से अधिक एनपीएस कर्मियों को 3 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। सात दिन पहले के हमारे एनपीएस अकाउंट से 28000 रुपये घटकर 44.71 लाख रुपये से 44.43 लाख रुपये रह गए हैं। शेयर मार्केट के गिरने से यह नुकसान हो रहा है। कोरोना संक्रमण के दौरान भी एनपीएस कर्मियों को बहुत नुकसान हुआ था। बतौर डॉ. पटेल, अगर इन सात दिनों का हिसाब देखेंगे तो पाएंगे कि यूटीआई की यूनिट की वैल्यू घटकर 46.54 रुपये से घटकर 45.19 रुपये पर पहुंच गई है। एलआईसी की यूनिट 45.73 रुपये से घटकर 45.44 रुपये रह गई है। हालांकि एसबीआई की यूनिट वैल्यू (45.77 रुपये से 46.24 रुपये) कुछ बढ़ी है।

गुजरात सरकार के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम इनकार

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात सरकार के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने कथित तौर पर सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए संपत्तियों को ध्वस्त किया। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। बेंच ने कहा, आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते? हर मामले में हमारे लिए यहां से निगरानी मुश्किल होगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जिन घरों को ध्वस्त किया गया, वे निजी भूमि पर थे। इस पर बेंच ने कहा, हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहते हैं।

जल जीवन मिशन को लेकर बड़ी घोषणा, कई शहरो को मिलेगा पेयजल

मुख्यमंत्री के कारगर प्रयासों से अब बदलेगी राजस्थान की सूरत

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच व कुशल नेतृत्व की बदोलत राजस्थान की तस्वीर व तकदीर दोनों ही बदलने वाली है। इस सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार की ओर से बजट 2025-26 के तहत शहरी क्षेत्र के लिए पेयजल को लेकर बड़ी घोषणाएं की है, जिससे प्रदेश की शहरी जनता अब पेयजल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकेंगी। मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) से शहरी क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाएगा, इसके बजट 2025-26 में 5 हजार 830 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य करवाए जाएगें। इसमें बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना स्टेज द्वितीय (फेज-2) के अन्तर्गत कॉमन इन्टेक वैल विथ रॉ वॉटर ट्रांसमिशन लाइन, जल शोधन संयंत्र, स्वच्छ जलाशय का निर्माण व अन्य सम्बन्धित कार्य जयपुर और अजमेर में 1 हजार 986 करोड़ 68 लाख रुपये के कार्य होंगे।

पेयजल योजनाओं का होगा संवर्धन तथा सुदृढीकरणः

मिशन के तहत निवाई, डिग्गी व लांबा हरिसिंह शहरी पेयजल योजनाओं के संवर्धन और सुदृढीकरण का कार्य सहित पाईप व टैंक स्कीम का कार्य किया जाएगा। साथ ही जादमों की ढाणी को पाईप स्कीम में बदलने का कार्य भी होगा। जिसके लिए 92 करोड़ 15 लाख रूपये खर्च किए जाएंगे। इसी तरह शहरी जल योजना श्रीडूंगरगढ़ के सुदृढ़ीकरण का कार्य के लिए 80 करोड़ रूपये, बगरू नगर पालिका के सम्पूर्ण क्षेत्र को पेयजल योजना से जोड़ने का कार्य के लिए 58 करोड़ 74 लाख रुपए, ग्रामीण योजना लूणकरणसर को शहरी जल योजना में क्रमोन्नत करने का कार्य करने के लिए 40 करोड 64 लाख रुपए, जीरो पोईन्ट हैंडवर्क्स पर स्वच्छ जलाशय का निर्माण कार्य-बाड़मेर के लिए 31 करोड 88 लाख रुपए, जल योजना नापासर के सुदृढीकरण के कार्य (लूणकरणसर) हेतु 27 करोड़ रुपए, अलवर शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जल प्रदाय सुविधा विकसित करने का कार्य करने के लिए 25 करोड़ रुपए, बालोतरा व सिवाना के लिए बफर स्टोरेज का निर्माण कार्य करने के लिए 19 करोड 70 लाख रुपए व शहरी जल योजना भावरी तहसील पिण्डवाड़ा के पुनर्गठन का कार्य करने के लिए 18 करोड 68 लाख रुपये की राशि से शहरी क्षेत्रों में पेयजल संबंधी कार्य करवाए जाएंगे।

अमानीशाह पंप हाउस पर स्वच्छ जलाशय का होगा निर्माणः

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अन्तर्गत बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना के अन्तर्गत अमानीशाह पम्प हाउस पर 15 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय के निर्माण और इंटर कनेक्शन का कार्य करवाया जाएगा। इसका सीधा फायदा सिविल लाइंस, हवामहल, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और किशनपोल क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। इस पर 17 करोड़ 69 लाख रुपए का बजट में प्रावधान किया है।

सोजत रोड पर होगा रेपिड ग्रेविटी जल शोधन संयंत्र का निर्माणः

मिशन के तहत सोजत रोड पर 2.8 एम.एल.डी. का रेपिड ग्रेविटी जल शोधन संयंत्र, स्वच्छ जलाशय व राईजिंग पाईप लाईन का निर्माण कर कंटालिया बांध से सोजत रोड की जलापूर्ति का कार्य करवाया जाएगा। जिस पर 15 करोड 76 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

बंध बारैठा से मलाह हैड वर्क्स भरतपुर तक पुरानी 600 एमएम जीआरपी पाइप लाइन के स्थान पर डीआईके 7 पाइप लाइन बदलने का कार्य के लिए 67 करोड़ 73 लाख रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है। मारवाड़ जंक्शन को जाडन से जवाई बांध का पानी उपलब्ध करवाने के लिए 13 करोड़ 8 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

भरतपुर में 10 करोड़ रूपए से होंगे जलापूर्ति के कार्यः

मिशन के तहत भरतपुर में एस.पी.जेड योजना में जल आपूर्ति का कार्य करने के लिए 10 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे। शहरी जल योजना तारानगर में पुरानी व जर्जर पाइप लाइनों व पुराने पम्प सैट बदलने का कार्य करने के लिए 1 करोड़ 22 लाख रुपए व शहरी जल योजना नगर परिषद् नागौर की सीमा क्षेत्र से बाहर बसी आबादी को पेयजल सप्लाई से लाभान्वित करने के लिए जल योजना कार्य करने के लिए 17 करोड़ 94 लाख रुपए के कार्य करवाए जाएंगे।

18 शहरों में 1 हजार 650 करोड़ रूपये के होंगे जलापूर्ति कार्य

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत जयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, भरतपुर सहित 18 शहरों में 1 हजार 650 करोड़ रूपये के जलापूर्ति कार्य सहित पाली, बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर, टोंक, झुंझुनूं, कुचामन सहित 11 शहरों में 275 करोड़ रूपये के सतत् जलापूर्ति के गुणात्मक संवर्धन कार्य करवाये जाएंगे। इसी तरह इस मिशन के तहत उदयपुर, चूरू, दूदू, बगरू, नसीराबाद, गुलाबपुरा, मुण्डावर, खैरथल, बहरोड़ सहित 51 शहरों में 1 हजार 200 करोड़ रूपए से सर्विस लेवल, सप्लाई और प्रेशर में सुधार के कार्य होंगे।

धार्मिक स्थल देशनोक में पेयजल व्यवस्था का होगा सुदृढ़ीकरणः

देशनोक में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का कार्य करने के लिए 9 करोड़ रुपये व नावां शहर के नहरी पेयजल से अलाभान्वित व वंचित क्षेत्र में नहरी पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 26 करोड़ 3 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। बांसवाडा के गढ़ी में 19 करोड़ 84 लाख रुपए की लागत से पेयजल वितरण प्रणाली विरतार संवर्धन और सुदृढ़ीकरण का कार्य किए जाएंगे।

टोडारायसिंह व मालपुरा शहर में लगेंगे स्मार्ट मीटरः

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अन्तर्गत टोंक जिले के टोडारायसिंह व मालपुरा शहर में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए 7 करोड़ 55 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। कोटा जिले के आंवली-रोझड़ी व नयागांव को अकेलगढ़ हैडवर्क्स से जोड़ने के लिए 2 करोड 48 लाख रुपए व तकली बांध से रामगंज मण्डी शहरी पेयजल योजना व खुडीयाला रीको के संवर्धन तथा सुदृढ़ीकरण का कार्य करने के लिए 110 करोड़ 79 लाख रुपये एवं सांगोद में अतिरिक्त जल शोधन संयंत्र का कार्य करने के लिए 8 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में हाईराइज बिल्डिंग्स में भी पीएचईडी की ओर से पेयजल कनेक्शन दिए जाने की व्यवस्था की घोषणा सरकार एम इस बजट में की है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की जरूरतःमेघवाल

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की आश्यकता पर जोर दिया, जिससे उनकी गरिमा और देश निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मेघवाल राष्ट्रीय महिला आयोग

(एनसीडब्ल्यू) की ओर से आयोजित महिलाओं से जुड़े साइबर कानून और साइबर जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नागरिकों, खासतौर पर महिलाओं से आग्रह किया कि वे मजबूत पासवर्ड रखें और ऑनलाइन निजी जानकारी साझा करने से बचें।

अजनबियों से लंबी बातचीत करने से बचें

उन्होंने कहा, मजबूत पासवार्ट का उपयोग करें और अपनी निजी जानकारी को ऑनलाइन कम से कम साझा करें। साइबर अपराध ऐसे होते हैं कि हम अक्सर अनजाने में फंसर जाते हैं। अजनबियों से लंबी बातचीत से बचें और ऑनलाइन अज्ञात लोगों के साथ बातचीत करते समय सतर्क रहें। अगर कोई साइबर अपराध होता है, तो तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें।

नए कानूनों में साइबर अपराधों के लिए प्रावधान

मेघवाल ने डिजिटल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से गलत प्रचार अभियानों, साइबर हमलों, फर्जी प्रोफाइल बनाने और वीडियो से छेड़छाड़ जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमने जो नए कानून बनाए हैं, वे इन मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करते हैं। हम एआई आधारित गलत सूचना, डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों से निपटने के लिए प्रावधान शामिल किए हैं।

देश की प्रगति में योगदान जारी रखें महिलाएं

कानून मंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की जरूरत है, जिससे उनकी गरिमा और देश के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सीएम के गढ़े कसीदे, कांग्रेस पर जमकर बरसे पूनिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सुशासन के प्रति संकल्पित, रीट और आरएएस परीक्षा शांतिपूर्ण कराई संपन्नः डॉ. सतीश पूनियां

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रीट पात्रता परीक्षा 2025 के सफल आयोजन को लेकर भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. पूनिया ने कहा कि रीट परीक्षा निर्विघ्न रूप से आयोजित करवाने पर प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद। भाजपा सरकार ने प्रदेशभर में शांतिपूर्ण रूप से रीट परीक्षा करवाई। जबकि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में रीट का पेपर आउट हुआ था और प्रदेश के 70 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया था। गहलोत के कार्यकाल में रीट ही नहीं, पटवारी भर्ती, कांस्टेबल भर्ती, जेईएन भर्ती, एसआई भर्ती, लाईब्रेरियन भर्ती, वनरक्षक सहित 19 परीक्षाओं के पेपरलीक हुए। इसका नतीजा यह हुआ कि गहलोत के पाप का दंड राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर करके दिया। भाजपा पूर्व प्रदेश

कांग्रेस राज में पेपरलीक, भाजपा राज में सब ठीक

अध्यक्ष डॉ सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस राज में प्रदेश में अराजकता का माहौल हो गया था। पेपरलीक की गूंज देशभर में पहुंची और राजस्थान पेपरलीक के मामले में देशभर में बदनाम हुआ। इसके लिए गहलोत और कांग्रेस सरकार सीधे तौर पर दोषी थी, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ना केवल रीट परीक्षा का सफल आयोजन करवाया, बल्कि आरएएस भर्ती परीक्षा भी शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। इतना ही नहीं, कांग्रेस राज में भर्ती परीक्षाओं के दौरान प्रदेश में घंटों नेटबंदी की जाती रही, जिससे आमजन परेशान हुआ और करोड़ों रूपए का व्यापार भी प्रभावित हुआ, लेकिन भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के दौरान नेटबंदी पर रोक लगाई। कश्मीर में आतंकवाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए नेटबंदी करने पर कांग्रेसी नेताओं की ओर से मुद्दा बनाया जाता था, लेकिन बाद में इन्हीं कांग्रेसियों ने परीक्षाओं में नेटबंदी करना शुरू कर दिया था। भाजपा सरकार ने रीट और आरएएस भर्ती परीक्षा बिना नेटबंदी के शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि कांग्रेसी नेता अधिकांश तौर पर अपनी हार के लिए जिम्मेदार ईवीएम को बताते है, जबकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार का सत्ता से बाहर जाने के 10 कारणों में से मुख्य कारण पेपरलीक रहा है। पेपरलीक को लेकर सदन में और सदन के बाहर भी व्यापक आंदोलन हुए, कांग्रेस सरकार के पास कोई जवाब नहीं होता था, कांग्रेसी नेताओं ने पुलिस का दमनचक्र भी चलाया, लाठी के दम पर आंदोलनों को दबाने का प्रयास किया। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता जनता की अदालत में लज्जित हुए थे। वहीं दूसरी ओर रीट 2025 परीक्षा को लेकर इसकी पृष्ट भूमि को देखते हुए सबकी निगाह इस बार रीट भर्ती 2025 पर थी लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार ने इसका सफल और निर्विघ्न आयोजन करवाया, इसके लिए सभी को साधुवाद।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने संकल्प पत्र की घोषणा के अनुरूप कार्य करते हुए पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने पेपर लीक से संबंधित 144 प्रकरणों में अनुसंधान किया जा रहा है। इनमें से 98 प्रकरण एसआईटी के गठन के बाद एसओजी में दर्ज किए गए, 23 प्रकरण का एसओजी की ओर से एसआईटी के गठन से पहले अनुसंधान किया जा रहा है।

लोहागढ़ फोर्ट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का मामला उठाना पड़ा भारी

सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव

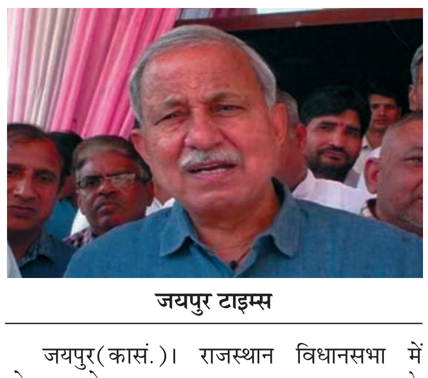

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को एक बड़ा घटनाक्रम घटा। भरतपुर के लोहागढ़ फोर्ट में अतिक्रमण हटाने के मामले में प्रशासन की ओर से की जा रही कार्रवाई का मामला उठाने वाले आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ सरकार विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव ले आई। स्पीकर ने इस प्रस्ताव पर ध्वनि मत से वोटिंग करवा ली। प्रस्ताव पारित होने के बाद स्पीकर ने इसे विशेषाधिकार हनन समिति को भेज दिया। इधर कांग्रेस ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने का षड्यंत्र बताते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

शून्यकाल में मुख्य सचेतक ने रखा प्रस्तावः

शून्यकाल में सरकार के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि विधानसभा सदस्य सुभाष गर्ग की ओर से भरतपुर में लोहागढ़ फोर्ट के निवासियों को प्रशासन की ओर से नोटिस दिए जाने के संबंध में मामला उठाया गया है। इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, जो कि निराधार व असत्य हैं। नगर निगम भरतपुर की ओर से केवल रेडक्रॉस सर्किल से गोवर्धन गेट तक अतिक्रमण हटाने के लिए 22 नोटिस जारी किए गए हैं, जो कि लोहागढ़ फोर्ट में रहने वाले लोगों के लिए नहीं हैं। सुभाष गर्ग की ओर से राज्य सरकार की छवि जान-बूझकर धूमिल करने की कोशिश की गई जो कि विशेषाधिकार हनन की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि सदन में बैठे लोग विशेषाधिकार रखते हैं। कई बार हम इस अधिकार का दुरुपयोग करते हैं। इससे जनता में अफरा-तफरी भी फैल सकती है। कई बार इससे राजनीतिक मंतव्य भी साध लिए जाते हैं। इसलिए अध्यक्ष महोदय मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि यह बहुत गंभीर विषय है। इस पर कार्रवाई की जाए।इसके बाद स्पीकर ने इस प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करवा दी। इसमें दो लोग सत्ता पक्ष से और दो विपक्ष से बोलने के लिए अनुमत किए गए। सत्ता पक्ष की ओर से कैलाश वर्मा और गुरुविंदर सिंह बरार को इस पर बोलने की मंजूरी दी गई। कैलाश वर्मा ने कहा कि सरकार मुख्य सचेतक ने जो बात सदन में रखी, वह गंभीर है। विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। जूली बोले- ऐसे तो कोई आवाज ही नहीं उठा पाएंगे। ये क्या बात हो गई। आप हमारी आवाज दबाना चाहते हो। अध्यक्ष जी इसमें आपका संरक्षण चाहिए। वहां पर नोटिस दिए नहीं दिए, यह बात सदस्य ने उठा दी। इसमें विशेषाधिकार की कोई बात नहीं है। आपने भी कई बार अजमेर के लिए ऐसी समस्या उठाई है। यह तो लोकतंत्र को दबाने की बात हो जाएगी। आप विशेषाधिकार ले आएंगे और अगली बार हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा देंगे। उन्होंने कहा कि यह सत्ता पक्ष के लिए भी ठीक नहीं है। आप भी अपनी विधानसभा के लिए आवाज नहीं उठा पाएंगे।

भाजपा विधायक गुरुविंदर बरार ने इस पर कहा कि सुभाष गर्ग ने तीन बातें उठाई, वे तीनों ही तथ्यों से परे हैं। उन्होंने कहा कि गर्ग ने सदन में कहा कि वर्तमान में सड़कों को चौड़ा करने के नाम पर लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। विभाग ने एक सिंगल नोटिस नहीं दिया है आप किस तरह से लोगों को गुमराह कर रहे है।इसके बाद कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि सुभाष गर्ग का दल आपसे राजनीतिक समझौते से अलग हो रहा है तो आप बदले की भावना से काम कर रहे हैं। इस सदन में कई बार ऐसी बातें भी आती हैं जो तथ्यों से मेल नहीं खातीं। इसका मतलब यह नहीं है कि आप विशेषाधिकार हनन का नोटिस लाओ। आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप इसकी अनुमति नहीं दें। प्रस्ताव के आखिर में सुभाष गर्ग को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। गर्ग ने कहा कि प्रशासन में नगर निगम प्रशासन ही शामिल नहीं होता, आर्कियोलॉजी भी होता है। उन्होंने कहा- 26 हजार वर्गमीटर जमीन को बेचने का समझौता हुआ। इसकी कीमत कम से कम 26 करोड़ की होती है उसे 3 करोड़ रुपए में बेचने का समझौता हुआ। लोगों को धमकाने के वीडियो मेरे पास हैं। इसमें बहुत बड़े-बड़े लोग शामिल हैं, जो आरोप लगा रहे हैं, उनकी कलई खुल जाएगी। इसके बाद स्पीकर ने सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन समिति को भेजने का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

किलक का छलका दर्दः नागौर एसपी रखते हैं व्यक्तिगत दुर्भावना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। विधानसभा में सोमवार को अनुदान मांगों पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक व पूर्व मंत्री अजय सिंह किलक ने अपनी ही सरकार पर आरोप जड़ दिए। गृह विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान किलक ने कहा कि मैं सदन में आरोप लगा रहा हूं कि नागौर एसपी मेरे से व्यक्तिगत दुर्भावना रखते हैं, मेरे कई कार्यकर्ताओं से भी दुर्भावना रखते हैं। यही नहीं उन्होंने थांवला एसएचओ पर भी रिश्वत लेने के आरोप लगाए और कहा कि थांवला क्षेत्र के लोगों ने मुझे बताया कि वहां पर थानेदार पैसा लेकर अवैध बजरी निकलवाते हैं और हर ट्रक से पांच हजार और ट्रैक्टर-ट्रॉली से भी मोटी रकम वसूलते हैं। किलक ने कहा कि इस मामले की जानकारी मैंने व्यक्तिगत रूप से नागौर एसपी को दी कि थांवला थाना क्षेत्र में थानेदार वैसे लेकर अवैध बजरी खनन करवा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने जब एसपी से बात की तो उन्होंने कहा कि मैं खुद रिश्वत नहीं लेता तो मैंने कहा कि मैं भी रिश्वत नहीं लेता हूं और वहां का विधायक हूं। किलक ने कहा कि बाद

में जब मैंने सीएम से इसकी शिकायत की तब जाकर उसे हटाया गया, जबकि नागौर एसपी ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। किलक ने कहा कि थानेदार को वहां से हटाने के बाद भी उसने अपना पैसा वहीं इनवेस्ट कर रखा है। किलक ने बताया कि मेरी विधानसभा में उस थानेदार ने 33 से 35 बीघा बेनामी भूमि खरीदी और उसकी पॉवर ऑफ अटॉर्नी अपने नाम कर ली।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की 7वीं बैठक में अलवर सांसद व केन्द्रीय मंत्री यादव ने भी रहे मौजूद

अलवर(निस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'वार्ल्डवाइल्डलाइफ डे' के अवसर पर गुजरात के सासन गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की 7वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अलवर सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव भी मौजूद रहे। इस बैठक में सरकार की वन्यजीव संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता की सुरक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के 40 प्रगतिशील किसानों का दल पशुपालन व डेयरी तकनीक के प्रशिक्षण के लिए मथुरा रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। किसानों को नई तकनीक सिखाने के उद्देश्य से जिले के 40 प्रगतिशील किसानों का दल पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान मथुरा (उत्तर प्रदेश) में सात दिवसीय अंतर राज्यीय कृषक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रवाना हुआ। प्रशिक्षण दल को कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना एवं उप निदेशक आत्मा डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना ने किसानों से कहा कि संस्थान के विषय विशेषज्ञों से अच्छी तरह संवाद कर कृषि में नवाचार करें तथा प्रशिक्षण में सीखी गई पशुपालन व डेयरी तकनीकी का स्वयं प्रयोग करने के साथ ही अपने गांवों में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। उप निदेशक आत्मा डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2024-25 में राजस्थान कौशल एवं क्षमता संवर्धन घोषणा के तहत आत्मा योजनान्तर्गत जिले की अलग-अलग पंचायत समितियों से चयनित 40 प्रगतिशील किसानों के दल को 9 मार्च तक पशुपालन व डेयरी तकनीकी विषय के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु मथुरा भेजा गया है। दल के प्रभारी सहायक कृषि अधिकारी राकेश कुमार बैरवा हैं।इस अवसर पर कृषि अधिकारी विजेन्द्र कुमार गोयम, कृषि पर्यवेक्षक घनश्याम बैरवा सहित विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में विभागीय प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की बैठक आयोजित की गई।अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि 8 मार्च को महिला दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है उन्होंने अधिकारियों को विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को फसल बीमा एजेंसी को एक्टिव रखकर किसानो द्वारा कराए गए बीमा का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पीएचईडी को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति बनाये रखने, जेजेएम के तहत लक्ष्यानुरूप नल कनेक्शन पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को पालनहार व पेंशन सत्यापन शत प्रतिशत पूर्ण करने, विद्युत विभाग को विभागीय योजनाओं के अनुसार पात्र लोगों को लाभान्वित करने एवं प्रस्तावित जीएसएस की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने बिजली सप्लाई एवं ट्रांसफार्मर बदलने की अवधि की जानकारी प्राप्त कर तय समय सीमा के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने एवं सुचारू सप्लाई उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग आदेश, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, नगर परिषद खैरथल आयुक्त मुकेश शर्मा, कोऑपरेटिव सुरेंद्र सैनी, डिप्टी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पूरणमल मीणा, खनिज विभाग, इरिगेशन, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, ट्रांसपोर्ट, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में एक लाख 6 हजार से अधिक किसानों की बनी फार्मर आईडी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे किसान रजिस्ट्री शिविर में आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित हुए जिसमें अब तक 106113 किसानों की आईडी बनाई गई एवं 109167 किसान केवाईसी तथा 106113 किसान भूमि सत्यापन किए गए। इस दौरान उपस्थित किसानों को केंद्र व रा'य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया गया।जिला कलक्टर किशोर कुमार ने बताया कि किसान रजिस्ट्री शिविरों में अब तक जिले की तहसील क्षेत्रों में 106113 किसानों की आईडी बनाई गई तथा अलवर जिले में जिला प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए इन शिविरों में केंद्र व रा'य सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी किसानों को दिया जा रहा है जिसके तहत उक्त शिविरों में 30258 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, 2448 पीएम सूर्यघर बिजली, 3550 लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भौतिक सत्यापन, 3656 मृदा कार्ड वितरित किए गए,1330 फसल बीमा वितरण, 6448 मंगला पशु बीमा व 2640 किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, 13206 नरेगा फार्म भराए गए, 1128 जन्म-मृत्य प्रमाण पत्र बनाए गए,1610 पीएम आवास योजना रजिस्ट्रेशन, 357 किसान कार्ड वितरण व अन्य, 785 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 606 प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना एवं 235 अटल बीमा पेंशन योजना से जोड़ कर आमजन को लाभांवित किया गया।

राज्यपाल से महाराष्ट्र के होम्योपैथी चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने मुलाकात की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से सोमवार को राजभवन में महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजीनगर, होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं होम्योपैथी चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने विजय वातोडकर के नेतृत्व में मुलाकात की।

राज्यपाल बागडे ने इस दौरान उनसे संवाद कर राजस्थान की संस्कृति और विरासत के बारे में अवगत कराया।

उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का उपयोग पीड़ित मानवता की सेवाओं में किये जाने और चिकित्सा में सेवा-भाव को सर्वोपरि रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किये जाने का आव्हान किया।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा के संबंध में संबंधित विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा कर कहा कि समन्वित प्रयास यह रहे कि जिले की सड़कें दुर्घटना मुक्त होवे। दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाना प्राथमिकता रहे। उन्होंने सुगम यातायात एवं दुर्घटना संभावित कारणों के लिए गठित समिति की रिपोर्ट की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने अधीक्षण अभियंता द्वारा बताई गई कार्य योजना के तहत फैटल एक्सीडेंट को प्रतिवर्ष 20 कम कर आगामी 5 वर्षों में शून्य करने के ओर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच/नगर निकायों के पार्षद द्वारा अवैध कट से दुर्घटना संबंधित जागरूकता हेतु प्रचार प्रसार करने के लिए कहा ताकि स्थानीय स्तर पर ही आमजन के माध्यम से अवैध कट को पुन: खोलने वालों की सूचना प्रशासन तक पहुंच सके। उन्होंने नॉन पेचेबल सड़क के प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए जिस पर अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह ने बताया कि जिले के नॉन पेचेबल सड़क के प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिए गए हैं।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये कि ब्लैक स्पॉट मार्गो पर अधिक साइन बोर्ड लगाकर यात्रियों को सजग करें ताकि ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। उन्होंने खैरथल-तिजारा एवं भिवाड़ी के पुलिस अधिकारियों, पीडब्ल्यूडी अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि दुर्घटना की सूचना आईआरएडी (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस) पर दर्ज करवाना सुनिश्चित कराये। उन्होंने डिप्टी सीएमएचओ को जिले के सभी अस्पतालों को आईआरएडी पर मैप करने के निर्देश दिए। उन्होंने गत वर्ष तथा इस वर्ष में आईआरएडी पर रजिस्टर्ड दुर्घटनाओं संख्याओं की समीक्षा कर सभी विभागों के संयुक्त प्रयास से आईआरएडी पर प्रत्येक दुर्घटना की एंट्री कराने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू ने भिवाड़ी से तिजारा के मध्य सड़क पर रंबल्ड स्ट्रिप लगाने की आवश्यकता बताई जिस पर जिला कलेक्टर ने रिडकोर, आरएसआरडीसी तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को सड़कों से अवैध ब्रेकर हटाने, स्पीड ब्रेकर पर साइन मार्क लगाने तथा रंबल्ड स्ट्रिप लगाने हेतु निर्देशित किया।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह, डीसीएमएचओ डॉ पूरणमल मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी शकुंतला मीणा, रिडकोर सहित परिवहन एवं आरएसआरडीसी के अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद एवं केंद्रीय मंत्री यादव 8 मार्च को ग्राम पहाडी आएंगे

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निस)। सांसद एवं केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव 8 मार्च शनिवार को सुबह 11बजे ग्राम पहाड़ी (बहरोड़) पहुंचेगे, जहां सभा को संबोधित करेंगे। जिसकी सभी तैयारियों के संबंध में भाजपा नेता बस्तीराम यादव एडवोकेट प्रधान प्रतिनिधि बहरोड ने सभा स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया ओर ग्रामवासियों से विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच जगदीश प्रसाद गुर्जर, पूर्व सरपंच राम शरण तंवर, लाला तंवर, पूर्व डेलीगेट बनवारी लाल, भामाशाह हवलदार जगदीश और राजेश मास्टर, रामशरण मुनीम, लक्ष्मी नारायण शर्मा, पवन शर्मा, दाताराम पीटीआई, राजेश गुर्जर, कृष्ण गुर्जर, डॉ भोमाराम गुर्जर, अशोक तंवर, रमेश रावत, इत्यादि सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित थे। भाजपा नेता बस्तीराम यादव ने बताया कि पंचायत समिति बहरोड के पंचायत मुख्यालय पहाड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भामाशाह जगदीश प्रसाद हवलदार एवं राजेश मास्टर के परिवारजनों द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में करीब 20-25 लाख रुपए की लागत से विश्रामगृह का निर्माण करवाया है, जिसका मंत्री यादव उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन भामाशाहों के पिताश्री स्व. कप्तान फतेहचंद गुर्जर की पुण्यतिथि पर 8 मार्च को होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ जसवंत यादव विधायक बहरोड़ करेंगे तथा अतिविशिष्ट अतिथि डॉ करण सिंह यादव पूर्व सांसद अलवर एवं वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा, सरोज बस्तीराम यादव प्रधान पंचायत समिति बहरोड होंगे।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बलबीर सिंह छिल्लर एवं देवी सिंह शेखावत विधायक बानसूर, हंसराज पटेल विधायक कोटपूतली तथा इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर विधायक खेतड़ी, महासिंह चौधरी जिलाध्यक्ष भाजपा उत्तर तथा जिले के भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रधान इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

पहली बार दादूपंथी पालिका अध्यक्ष के कार्यकाल में होगा श्री दादू मेले का आयोजन

जयपुर टाइम्स

नरैना (निसं)। कस्बे में स्थित दादू संप्रदाय की मुख्य पीठ पर यूं तो प्रतिवर्ष ऐतिहासिक श्री दादू मेले का आयोजन दशकों से निर्बाध रूप से आयोजित होता आ रहा है ओर भविष्य में भी आयोजित होता रहेगा। परंतु

आजादी के बाद से पहली बार नरैना जो की पूर्व में ग्राम पंचायत व अब नगरपालिका है। लेकिन इस दौरान आज से पहले कभी कोई दादूपंथी अनुयायी स्थानीय निकाय में अध्यक्ष नहीं रहा। इस बार श्रीदादू दयाल महाराज के 481 वें प्रकाशोत्सव का आयोजन आज से श्री दादू पीठ के 21 वें पीठाधीश्वर ओमप्रकाश दास महाराज के साम्हेला के साथ शुरू हो जायेगा। मेले में पधारे हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं नगरपालिका अध्यक्ष सावित्री देवी स्वामी की देखरेख में करवाई गई है। इस बार अच्छी बरसात से ऐतिहासिक गौरीशंकर सरोवर के जलभराव क्षेत्र चोबीता से होकर खाक चौक में जाने वाले रास्ते में पानी भरा होने के कारण उक्त मार्ग को दुरुस्त कराने, गंदगी फैलने से रोकने के लिए मोबाइल शौचालय की व्यवस्था करने, उचित प्रकाश व्यवस्था करने, सिंहली की पाल पर साम्हेला से पूर्व श्री दादू पीठाधीश्वर के बैठने के लिए 22 फीट चोड़ा व 17 फीट लंबे नाप का चमचमाता ग्रेनाइट चबूतरे का निर्माण, जल से परिपूर्ण गौरीशंकर सरोवर में किसी भी तरह की अनहोनी घटना रोकने के लिए दो नावों सहित एसडीआरएफ की टीम तैनात करने, मेले में आने वाले वाहनों की निःशुल्क पार्किंग व्यवस्था करने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करवाई गई हैं।

जयपुरः खाद्य सुरक्षा सूची से 23 हजार से अधिक यूनिट्स हटाई गईं, 244 को नोटिस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने के लिए **गिव अप** अभियान तेज कर दिया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार अब तक 5,952 परिवारों की 23,096 यूनिट्स को सूची से बाहर किया गया है, जबकि 244 अपात्र व्यक्तियों को नोटिस जारी किया गया है।

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि 31 मार्च 2025 तक स्वेच्छा से नाम हटवाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन उसके बाद जुर्माना और वसूली की जाएगी। अपात्र लाभार्थियों में सरकारी-अर्द्धसरकारी कर्मचारी, 1 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले, आयकरदाता, निजी चौपहिया वाहन धारक और 1 लाख रुपये से अधिक पेंशन पाने वाले लोग शामिल हैं।

नाम हटवाने के लिए आवेदन उचित मूल्य दुकानों से प्राप्त किए जा सकते हैं या food.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। प्रशासन ने अपात्र लोगों से अपील की है कि वे समय रहते सूची से नाम हटवाकर अभियान में सहयोग करें।

पी.जी. में चयनित चिकित्सकों को दी विदाई

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। सोमवार को बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर द्वारा कोटपूतली-बहरोड़ जिले के पी.जी. में चयनित चिकित्सक डॉ. प्रमोद गुर्जर, डॉ. तनिषा गोयल, डॉ. पूजा, डॉ. नेहा यादव, डॉ. अश्विनी चौधरी, डॉ. दिव्या यादव, डॉ. भगत दायमा, डॉ. पूजा चौधरी, डॉ. मनिषा यादव,

डॉ. वैशाली, डॉ. निशान्त, डॉ. सरोज, डॉ. अन्जू, डॉ. विजय यादव, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा को विदाई दी गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत रहे। जबकि विशिष्ठ अतिथि डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदोरिया व डॉ. जयभगवान यादव, पीएमओ डॉ. चैतन्य रावत रहे। संचालन बीपीएम विजय तिवाड़ी ने किया। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. दिलीप पंवार, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. मनोज सांखला, डॉ. रोहित चौधरी, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. राहुल लाटा, बीसीएमओ पावटा डॉ. कृष्ण सिंह शेखावत, बीसीएमओ बहरोड़ डॉ. रवि यादव, बीसीएमओ विराटनगर डॉ. सुनिल कुमार, बीसीएमओ नीमराणा डॉ. सुरेश यादव, डॉ. पवन सैनी, डॉ. प्रियंका सैनी, डॉ. बालकिशन, संजीव सिरोहीवाल, महेन्द्र स्वामी, राजवीर गुर्जर, लालचन्द रहीसा, राजेन्द्र सिंह राठौड, प्रेमप्रकाश सैनी, सुरेश सैनी, रामरतन रावत, घनश्याम सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक मंगलवार को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में मंगलवार 04 मार्च को बैठक का आयोजन होगा। बैठक में केंद्रीय स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सीपी सिंह, प्रदेशाध्यक्ष एड. प्रेम बारूपाल, जॉन प्रभारी एड. रामजीवन बौद्ध, श्याम बाबू बैरवा समेत जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, कोटपूतली, बहरोड़, बानसूर, विराटनगर, सैक्टर अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, पूर्व पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता समेत अन्य मौजूद रहेगें।

द्वितीय जिला स्तरीय रोजगार मेला बुधवार को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग व रोजगार सेवा निदेशालय की ओर से कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास स्थित राजकीय आई.टी.आई. में बुधवार 05 मार्च को द्वितीय जिला स्तरीय रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया जायेगा। जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 16 कम्पनियों द्वारा अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता (10वीं/12वीं/आई.टी.आई./डिप्लोमा/स्नातक/बी.टेक) रखने वाले युवाओं को नीमराणा, बहरोड़, बावल, भिवाड़ी, अलवर, नोएडा क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। इसके लिये जिले की सभी तहसीलों (कोटपूतली, बहरोड़, नीमराणा, मांढ़ण, बानसूर, नारायणपुर, विराटनगर व पावटा) के वे बेरोजगार युवा जिन्होंने जिला रोजगार कार्यालय जयपुर अथवा अलवर में पंजीकरण करवाया हुआ है। इनके अलावा अन्य इच्छुक युवा भी रोजगार मेले में उपस्थित होकर अवसर का लाभ उठा सकते हैं। रोजगार मेले में उपस्थिति के लिये बेरोजगार युवा गूगल लिंक पर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है। सहायक निदेशक कुंतल कुमार सैनी ने बताया कि इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हंसराज पटेल होंगे। जबकि अध्यक्षता सभापति पुष्पा सैनी करेंगी।

मुंडियारामसर में 8 मार्च को मेगा रोजगार मेला, हजारों युवाओं को मिलेगा अवसर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च, 2025 को मुंडियारामसर, जयपुर में उपक्षेत्रीय रोजगार कार्यालय द्वारा मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का उद्घाटन उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल मंत्रीराज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। उपनिदेशक, उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय नवरेखा ने बताया कि इस मेले में 40 से अधिक निजी कंपनियां भाग लेंगी, जिनमें निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, आईटी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेंटर और बीमा क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं। ये कंपनियां मौके पर ही युवाओं का प्राथमिक चयन कर उन्हें रोजगार का अवसर देंगी। इसके अलावा, सरकारी विभाग भी मेले में भाग लेकर अपनी योजनाओं की जानकारी देंगे। युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंत्री महोदय एवं रोजगार विभाग के अधिकारियों ने एक क्यूआर कोड जारी किया है, जिससे इच्छुक युवा व नियोजक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकें। हाल ही में राज्य बजट में निजी क्षेत्र में 1.5 लाख युवाओं को रोजगार देने की घोषणा की गई थी, जिसमें इस तरह के मेले महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मेले में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, आईटीआई, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक जैसी विभिन्न योग्यताओं के लिए नौकरियां उपलब्ध होंगी। इच्छुक उम्मीदवार अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के साथ मेले में आकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कैम्प का आयोजन, 190 बच्चे लाभान्वित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सोमवार को बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर की अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दांतिल पर कैम्प का आयोजन किया गया। बीसीएमओ डॉ. गुर्जर व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. संदीप कुमार जोशी ने कैम्प का निरीक्षण किया। कैम्प में विभिन्न विद्यालयों से चिन्हित 190 बच्चों का विषय विशेषज्ञों द्वारा आबीएसके टीम के सहयोग से उपचार किया गया। इस दौरान त्वचा रोग के 75, नेत्र रोग के 40, दन्त रोग के 30, स्त्री रोग के 25 एवं नाक कान गला के 20 बच्चों का ईलाज किया गया। कैम्प के समापन पर बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर व बीपीएम विजय तिवाड़ी ने टीम सदस्यों एवं सहयोग करने वाले शिक्षकों को धन्यवाद दिया। इस दौरान डॉ. हवासिंह यादव, डॉ. सीमा मीना, डॉ. विक्रम यादव, डॉ. मन्जु मौर्य, डॉ. प्रकाश सैनी, डॉ. योगिता कुमावत, डॉ. रवि शंकर डीगवाल, फार्मासिस्ट सीताराम सैनी, राजेन्द्र स्वामी समेत अन्य मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय आरोग्य मेले "आरोग्यम-2025" में भारी भीड़, 16,800 से अधिक लोगों को मिला लाभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। आयुष विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित राज्यस्तरीय आरोग्य मेला "आरोग्यम्-2025" में तीसरे दिन भी भारी संख्या में लोग पहुंचे।

01 से 04 मार्च तक चलने वाले इस मेले में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धतियों द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं उपचार दिया जा रहा है।

सोमवार को शासन उप सचिव सावन कुमार चायल, आयुर्वेद विभाग निदेशक डॉ. आनंद कुमार शर्मा व नोडल प्रभारी डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने मेले का निरीक्षण किया। व्याख्यान सत्र में डॉ. एकलव्य बोहरा व उनकी टीम ने यौगिक षट्कर्म पर सैद्धांतिक व प्रायोगिक प्रदर्शन किया। वहीं, डॉ. योगेश्वरी गुप्ता ने पथरी पर व्याख्यान दिया।

सहायक निदेशक एवं मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मण सैनी के अनुसार, अब तक 16,802 लोगों को विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों द्वारा उपचार,

परामर्श एवं निःशुल्क औषधि वितरण का लाभ दिया जा चुका है। मेले में पंचकर्म, मर्म चिकित्सा, जलौका चिकित्सा, अग्निकर्म, औष्ठियोपैथी, स्वर्णप्राशन जैसी विधाओं के विशेषज्ञ मौजूद हैं।

साथ ही, औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। हर दिन सुबह 7 से 8 बजे तक योग सत्र व शाम 6.30 से 8 बजे तक मानसिक स्वास्थ्य के लिए राग चिकित्सा के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहे हैं। मंगलवार को मेले का अंतिम दिन होगा।

बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक: योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने सोमवार को पंत कृषि भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर बजट 2025-26 की घोषणाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को समयबद्ध व प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू किया जाए, ताकि अधिकतम किसानों को लाभ मिल सके। बैठक में फार्म पौंड, डिग्गी, सिंचाई पाइपलाइन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, सोलर, ड्रिप, स्प्रिंकलर, बीज मिनिकिट वितरण, मधुमक्खी पालन, पॉली हाउस, शेडनेट हाउस और प्याज भंडार गृहों समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। शासन सचिव ने कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों को शीघ्र दूर किया जाए और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक किसानों तक उनकी पहुंच बनाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) एच.एस. मीणा, अतिरिक्त निदेशक उद्यान अतर सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

श्री श्याम पद यात्रा के पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना में सोमवार को श्री श्याम शक्ति मंडल भैंसलाना की 33 वीं पद यात्रा के पोस्टर का विमोचन श्याम प्रेमियों द्वारा किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता धर्मसिंह भैंसलाना ने बताया श्री श्याम शक्ति मंडल भैंसलाना द्वारा 33 वीं पद यात्रा भैंसलाना से खाटू श्याम 07 मार्च को प्रातः 07 बजे रवाना होगी। इस दौरान रामसिंह शेखावत, दिलीप सिंह डीलर, सोहन लाल यादव, अमरसिंह यादव, गोपाल सिंह शेखावत, सतवीर सिंह शेखावत, गोदाराम यादव, घम्मन यादव, मोनू शेखावत, सूबेसिंह तंवर, महेंद्र सिंह शेखावत, पिंटू शुक्ल, गिरधारी लाल यादव, गिरवर सिंह, शिंभू यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं)। जिला कलेक्ट्रेट में सोमवार को आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, सम्पर्क पोर्टल और बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

रजिस्ट्री शिविरों में शत-प्रतिशत पंजीकरण के निर्देश

कलक्टर ने एग्रिस्टैक योजना के तहत किसानों के शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने पर जोर दिया।

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा

जिला कलक्टर ने सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकरण निस्तारण के बाद दस्तावेजों के साथ फोटोग्राफ भी अपलोड किए जाएं और परिवादी से स्वयं संपर्क कर समाधान की पुष्टि की जाए।

बजट घोषणाओं की समीक्षा

उन्होंने बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए भू-आवंटन, वित्तीय स्वीकृति, टेंडर और निर्माण कार्यों को तय समय पर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, एडीएम संजय शर्मा, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, विद्युत व जलदाय विभाग के अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय .....

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्त- लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है।

बसपा की सियासी दुर्गति के लिए मायावती अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर क्यों थोप रही हैं?

उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की नेत्री सुश्री मायावती भले ही दलित की बेटी हैं, लेकिन जब दलित राजनीति के रथ पर सवार होकर वह सूबाई सत्ता और पार्टी दोनों के शीर्ष तक पहुंचीं तो दौलत पसंद बन गई। उन्होंने अपनी सारी नीतियों को दौलत बटोरने के ही इर्दगिर्द केंद्रित कर दिया। जिससे दृढ़ स्वभाव की इस महिला नेत्री ने न केवल अकूत धन बटोरीं, बल्कि अपनी पार्टी को भी खूब आगे बढ़ाया। इस क्रम में उन्होंने जायज-नाजायज का ख्याल तक नहीं रखा। क्योंकि दलित समर्थक एक कानून हमेशा उन जैसों की कानूनी ढाल बन जाता है।हालंकि, वक्त का पाशा पलटते ही अब वही दौलत उन जैसी अविवाहित महिला के गले की फांस बन चुका है।

कहना न होगा कि जिस बामसेफ ने देश की दलित राजनीति को एक मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, उसकी भी मायावती काल में इसलिए एक न चली, क्योंकि परिवार और पार्टी से आगे की सोच-समझ उनमें विकसित ही न हो पाई। दरअसल, बसपा के संस्थापक मान्यवर कांशीराम के मेहनत से फली-फूली धुर ब्राह्मण विरोधी दलित पार्टी बसपा पर मायावती ने उनके जीते जी ही अपना कब्जा जमा लिया और अपने सहोदर भाई आनंद की मदद से निरंतर मजबूत होती चली गई, लेकिन जब से उन्होंने सत्ता प्राप्ति की गरज से ब्राह्मणों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर विकसित किया, तब से उन्हें अप्रत्याशित राजनीतिक सफलता तो खूब मिली, लेकिन उनका मूल कैडर इधर उधर छिटकने लगा।

इसके अलावा, जब से समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे। वहीं, भाजपा के समर्थन से सत्ता की राजनीति जबसे उन्होंने शुरू की, तब से मुस्लिम वोटर भी बसपा से दूरी बनाने लगे। हालांकि, सत्ता संतुलन के लिए उन्होंने सवर्णों, ओबीसी और अल्पसंख्यक नेताओं को मलाईदार पद दिए, जिससे दलित भी उनसे ईर्ष्या करने लगे। इन सब कारणों से बसपा का जनाधार छीजता चला गया।

वहीं, कभी भाजपा, कभी समाजवादी पार्टी, कभी कांग्रेस और कभी अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की राजनीति करके उन्होंने खुद को तो मजबूत बनाने की पहल की, लेकिन उनकी अड़ियल और हठी रवैये के चलते उनकी पटरी किसी से नहीं बैठी और अब राजनीतिक मजबूरी वश वह बिल्कुल अकेले बच गई हैं। सवाल है कि तीन बार भाजपा या सपा के सहयोग से और एक बार अपने दम पर हासिल बहुमत से यूपी की मुख्यमंत्री बनने वाली मायावती, केंद्रीय राजनीति में अपने अच्छे-खासे सांसदों के बल पर दबदबा रखने वाली मायावती आखिर इस सियासी दुर्दिन को कैसे प्राप्त हुई। तो जवाब यही होगा कि एक ओर उनका पारिवारिक प्रेम और दूसरी ओर भावनात्मक रूप से जुड़े नेताओं-कार्यकर्ताओं की मौद्रिक कारणों से उपेक्षा। हालांकि, जब तक वह इस बात को समझ पाई, तबतक बहुत देर हो चुकी है। आज उनके सांसदों और विधायकों की संख्या न के बराबर है। ऐसे में उनके घर में और पार्टी में जो पारिवारिक कोहराम मचा हुआ है, वह कोई नई बात नहीं है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। हालांकि, यह भी कड़वा सच है कि अपनी जिस जिद्दी स्वभाव के चलते वह सियासत में खूब आगे बढ़ीं, अब उसी जिद्दी स्वभाव के चलते उनकी पार्टी और परिवार दोनों बिखराव के कगार पर है। वहीं, 70 वर्षीय मायावती सूझबूझ से काम लेने के चक्कर में गलतियां पर गलतियां करती जा रही हैं। जिस तरह से वो अपने ही निर्णय को बार बार पलट देती हैं, उससे उनकी सियासी साख भी चौपट हो रही है। इससे सीएम-पीएम बनने का उनका ख्वाब तो चूर हो ही रहा है, लेकिन जोड़-तोड़ से राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति या राज्यपाल बनने या फिर केंद्रीय मंत्री बनने की बची खुची संभावनाएं भी समाप्त होती जा रही हैं।चूंकि देश की दलित राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि ओबीसी नेताओं की तरह ही दलित नेता भी एक दूसरे राज्यों के बड़े दलित नेताओं से स्वभाविक समझदारी विकसित नहीं कर पाए और खुद को कमजोर करते चले गए। यूपी में तो मायावती ने दलितों को कद्दावर मुख्यमंत्री दिया, लेकिन बिहार आजतक उससे वंचित है। शायद इसलिए कि भाजपा-कांग्रेस ने अपनी सियासी हितों के लिए इन्हें भी आपस में लड़ाया और अपने इरादे में कामयाब रहे। काश! मायावती भी यह सबकुछ समझ पातीं और तदनुसार निर्णय लेतीं।हाल ही में मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को हटाते हुए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर जो निशाना साधा निशाना है, इससे उन्हें लाभ के बजाय और अधिक हानि हो सकती है, क्योंकि ये पार्टी के मजबूत स्तंभ रहे हैं और उनकी हर कमजोरी से वाकिफ हैं। यदि ये विभीषण बन गए तो उनका क्या होगा, सोच-समझ लें तो उचित रहेगा। दरअसल, मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है लेकिन इसके लिए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को ज़िम्मेदार ठहराया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी अहम पदों से हटा दिया और कहा कि अहम फ़ैसले अब वह खुद लेंगी। उन्होंने यह भी कहा है कि जब तक वह ज़िंदा रहेंगी, तब तक उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि उनके लिए पार्टी पहले है और बाकी रिश्ते-नाते बाद में। बता दें कि 2019 में मायावती ने आकाश को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था और अपने छोटे भाई यानी आकाश के पिता आनंद कुमार को बीएसपी का उपाध्यक्ष बनाया था। इसके बाद से ही मायावती पर भाई-भतीजावाद के आरोप लग रहे थे। ऐसे आरोप पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह लग रहे थे। कई लोग यह भी कहते हैं कि पार्टी के पुराने नेता आकाश आनंद को लेकर बहुत सहज नहीं थे। ऐसे में दिलचस्प है कि अब आकाश आनंद की जगह उनके पिता आनंद कुमार और साथ में रामजी गौतम को राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। साथ ही अपने भतीजे को सभी अहम पदों से हटाने के फ़ैसले को सही ठहराते हुए मायावती ने बीएसपी के संस्थापक कांशीराम का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि कांशीराम पार्टी में परिवार और रिश्तेदारों के काम करने के ख़िलाफ़ नहीं थे लेकिन उन्हें बाक़ी कार्यकर्ताओं से ज़्यादा विशेषाधिकार मिले, इसके ख़िलाफ़ थे। ऐसे में सवाल है कि मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को बीएसपी से क्यों निकाला था? क्या पारिवारिक कलह से जूझ रही हैं पार्टी सुप्रीमो? ऐसे में मायावती के भतीजे आकाश आनंद क्या उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बन पाएँगे? क्योंकि मायावती के पुराने तेवरों की वापसी से मिलते नए संकेत से पता चलता है कि इसका भावी असर क्या होगा? ये तो वही जानें। दरअसल, लखनऊ में रविवार को बीएसपी की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि कांशीराम के पदचिह्नों पर चलते हुए ही आकाश आनंद को सभी पदों से हटा दिया गया है और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया गया है। अशोक सिद्धार्थ ने पार्टी को पूरे देश में दो गुटों में बाँटकर कमज़ोर किया है। बीएसपी ने कहा है कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकालने के बाद यह देखना होगा कि उनकी लड़की यानी आकाश आनंद की पत्नी प्रज्ञा पर इसका क्या असर पड़ता है और यह भी देखना होगा कि पत्नी का प्रभाव आकाश पर कितना पड़ता है। बीएसपी का कहना है कि इस आकलन पहले कुछ भी सकारात्मक नहीं लग रहा है। पार्टी का कहना है कि आकाश आनंद के ख़िलाफ़ जो कार्रवाई की गई, उसकी ज़िम्मेदारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की बनती है। क्योंकि अशोक सिद्धार्थ के कारण ही पार्टी का तो नुक़सान हुआ ही है, आकाश आनंद का राजनीतिक करियर भी ख़राब हो गया है। मायावती ने यह भी कहा है कि अशोक सिद्धार्थ से मिले सबक के बाद आनंद कुमार ने अब अपने बच्चों का रिश्ता ग़ैर-राजनीतिक परिवार में जोड़ने का फ़ैसला किया है, ताकि बीएसपी के आंदोलन पर नकारात्मक असर ना पड़े।

- कमलेश पाण्डेय

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार

समसामयिक

रेखा सरकार के सामने चुनौतियों का अंबार

हर दौर में राजनीति के केंद्र में कुछ ही मुद्दे होते हैं, जिनके इर्द-गिर्द ही पूरी राजनीति चलती है और उन्हीं को ध्यान में रखते हुए कदम भी उठाती है। इसे राजनीति का युगबोध भी कह सकते हैं। मौजूदा राजनीति के केंद्र में दलित, पिछड़ा और महिलाओं से जुड़े मुद्दे ही हैं। शायद इसी वजह से बीजेपी पर उसके विरोधी आरोप लगाते रहते थे कि वह महिलाओं की बात तो खूब करती है, लेकिन उसके पास कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं है। विरोधियों के आरोप को इससे भी दम मिलता था कि देश के 19 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में बीजेपी की सरकारें हैं। फिर बीजेपी महिला सम्मान और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं की बात भी खूब करती है। दिल्ली की जनता ने जब 27 साल के अंतराल के बाद बीजेपी को सत्ता सौंपी, तभी तकरीबन तय हो गया कि दिल्ली को इस बार महिला मुख्यमंत्री मिल सकती है। इस दौड़ में रेखा गुप्ता आगे निकल गईं और अब दिल्ली की कमान उनके हाथ है।

रेखा गुप्ता को देश की राजधानी की कमान तो मिल गई है, लेकिन उनके लिए राजधानी की सत्ता फूलों की सेज नहीं है, बल्कि कांटों भरी राह है। उनके सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। मोटे तौर पर अगर विचार करें तो उन पर यमुना की सफाई कराने, राजधानी को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने के साथ ही महिला सम्मन निधी देने, मुफ्त की सुविधाएं जारी रखने, और राज्य का स्वास्थ्य ढांचा बेहतर बनाने का दबाव ज्यादा रहेगा। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार और शीश महल को बड़ा मुद्दा बनाया था, इसलिए रेखा गुप्ता सरकार के सामने दिल्ली में स्वच्छ प्रशासन देना भी बड़ी चुनौती होगी और इसके जरिए उन्हें अरविंद केजरीवाल के सामने बड़ी लकीर खींचनी होगी। रेखा गुप्ता राजधानी दिल्ली की राजनीति में मौजूद बीजेपी दिग्गजों के सामने जूनियर भी हैं। इसलिए वरिष्ठ नेताओं से समन्वय बनाने और उनके सहयोग से संगठन को भी आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी रहेगी।

भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि वह दिल्ली की कभी लाइफ लाइन रही यमुना की सफाई कराएगी। पार्टी ने नदी को स्वच्छ बनाने के साथ ही उसके सौंदर्यीकरण का भी वादा किया था। नदी सफाई का काम शुरू हो चुका है। लेकिन नदी में गिरने वाले नालों के पानी को साफ करने की अभी तक कोई ठोस योजना शुरू नहीं हुई है। चूंकि बीजेपी का एक उद्देश्य यमुना के पानी को पवित्र बनाना भी है, लिहाजा उसे इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी। दिल्ली

की सरकार में अघोषित तौर पर नंबर दो की हैसियर रखने और केजरीवाल को चुनावी चौसर पर मात देने वाले प्रवेश वर्मा चुनाव अभियान के आखिरी दौर में केजरीवाल की होर्डिंग को यमुना में डुबाकर दिल्ली के सामने यमुना की गंदगी को मुद्दा बना चुके हैं। लिहाजा यमुना की सफाई के लिए रेखा गुप्ता सरकार को प्राणपण से लगना होगा। अगर एक खास अवधि में यमुना साफ होती नहीं दिखी तो आंदोलन से उभरी केजरीवाल राजनीति इसे मुद्दा बनाकर रेखा गुप्ता सरकार की नाक में दम करने से नहीं चूकेगी। वैसे भी दिल्ली में करीब पैंतीस फीसद तक हिस्सेदार हो चुकी पूर्वांचली जनसंख्या का लोक पर्व छठ पानी के ही किनारे मनाया जाता है। अगर साल-दो साल बाद उसे साफ यमुना नहीं मिली तो उसका मन बदल सकता है। कहना न होगा कि इस जनसंख्या ने इस बार बीजेपी पर भरोसा ज्यादा जताया है।

दिल्ली की नवेली रेखा सरकार पर राजधानी में स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराने की भी बड़ी चुनौती है। वैसे भी वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली की हालत देश में सबसे खराब है। सर्दी के मौसम में कई साल से यहां सामान्य सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पूरी राजधानी धूल और धुएं के चादर से ढंक जाती है। अरविंद और बाद में आतिशी सरकार पर आरोप रहा कि राजधानी दिल्ली के लोगों को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा तक नहीं मुहैया नहीं करा सकी। अब रेखा गुप्ता सरकार पर जिम्मेदारी है कि वह राजधानी दिल्ली को स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराए। उन्हें वायु प्रदूषण हर हाल में कम करना ही होगा।

बीजेपी ने विधान सभा चुनाव के वक्त इस बात की गारंटी दी थी कि केजरीवाल सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उसने तो केजरीवाल सरकार की दो सौ यूनिट की बजाय तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने, मुफ्त पानी मुहैया कराने और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने का वादा भी किया था। इस दिशा में रेखा सरकार को तेजी से काम करना होगा, अन्यथा मुफ्त की आदत वाली जनता का मन बदलते देर नहीं लगेगी। चुनाव अभियान के दौरान बीजेपी ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का वादा किया था, जो केजरीवाल की पार्टी के 2100 रूपए महीने के वायदे से ज्यादा है। महिलाएं आज की राजनीति की धुरी बनती जा रही हैं। बीजेपी और रेखा गुप्ता सरकार पर दबाव रहेगा कि वह महिलाओं के लिए सम्माननिधि की घोषणा ना सिर्फ जल्द करे, बल्कि उसे सुचारू तरीके से लागू भी करे।

केजरीवाल सरकार द्वारा बहुप्रचारित स्वास्थ्य और शिक्षा मॉडल के खोखलेपन को भी बीजेपी ने मुद्दा बनाया था। रेखा सरकार के सामने दिल्ली की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने के साथ ही स्वास्थ्य सेवा के प्रति लोगों में भरोसा बहाल करने और बेहतर सुविधा मुहैया कराने का दबाव रहेगा। वैसे भी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों पर दूसरे राज्यों के मरीजों के इलाज का दबाव ज्यादा रहता है। लिहाजा रेखा सरकार पर अस्पतालों की लंबित परियोजनाएं पूरा करना और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की चुनौती है। दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों की ओपीडी, दवा काउंटर पर मरीज घंटों कतार में लगने को मजबूर हैं। जांच व इलाज में वेटिंग बड़ी समस्या है। इसकी वजह यह है कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल कर्मियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा गठित कमेटी भी अपनी रिपोर्ट में इन समस्याओं को उठा चुकी है।

-उमेश चतुर्वेदी

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

> **रेखा गुप्ता को देश की राजधानी की कमान तो मिल गई है, लेकिन उनके लिए राजधानी की सत्ता फूलों की सेज नहीं है, बल्कि कांटों भरी राह है। उनके सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। मोटे तौर पर अगर विचार करें तो उन पर यमुना की सफाई कराने, राजधानी को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने के साथ ही महिला सम्मन निधी देने, मुफ्त की सुविधाएं जारी रखने, और राज्य का स्वास्थ्य ढांचा बेहतर बनाने का दबाव ज्यादा रहेगा। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार और शीश महल को बड़ा मुद्दा बनाया था, इसलिए रेखा गुप्ता सरकार के सामने दिल्ली में स्वच्छ प्रशासन देना भी बड़ी चुनौती होगी और इसके जरिए उन्हें अरविंद केजरीवाल के सामने बड़ी लकीर खींचनी होगी। रेखा गुप्ता राजधानी दिल्ली की राजनीति में मौजूद बीजेपी दिग्गजों के सामने जूनियर भी हैं।**

शख्सियत

भारतीय उद्योग जगत के 'भीष्म पितामह' थे जमशेदजी टाटा,अरबों का खड़ा किया साम्राज्य

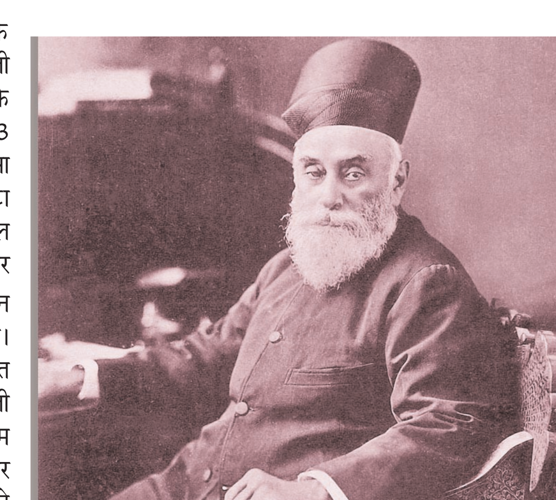

टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा का आज ही के दिन यानी की 03 मार्च को जन्म हुआ था। उन्होंने टाटा स्टील, ताज होटल और IISC बैंग्लोर जैसे ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की थी। भारतीय उद्योग जगत के लिए जमशेदजी टाटा %भीष्म पितामह% के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में भारत को नई पहचान देने वाले कई काम किए थे। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर जमशेदजी टाटा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

गुजरात के नवसारी में 03 मार्च 1839 को जमशेदजी टाटा का जन्म हुआ था। वहीं नवसारी जो वर्तमान समय में दांडी बीच के लिए जाना जाता है। उनका पारसी परिवार लंबे समय से पुजारी का काम करता था। लेकिन जमशेदजी के पिता नुसेरवानजी टाटा अपने परिवार में पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने व्यापार में हाथ आजमाया। जमशेदजी ने महज 14 साल की उम्र में अपने पिता के साथ मुंबई में कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया। जमशेदजी टाटा ने ग्रेजुएशन तक पढ़ाई किया और करीब 10 साल बाद साल 1868 में अपना पहला वेंचर शुरू किया।

कपड़ा व्यापार

जमशेद जी टाटा ने 21,000 रुपए के निवेश से ट्रेडिंग कंपनी की शुरूआत की थी। लेकिन जल्द ही वह इंग्लैंड चले गए और उन्होंने वहां पर कपड़ा व्यापार को करीब से समझा। साल 1869 में इंग्लैंड से लौटने के बाद जमशेद जी टाटा ने कपड़े का व्यापार शुरू किया। इस दौरान उन्होंने बंबई के इंडस्ट्रियल हब में एक दिवालिया हो चुकी तेल मिल को खरीद लिया और इसका नाम बदलकर एलेक्जेंड्रा मिल रख दिया। जमशेदजी ने इसको कॉटन मिल में बदल दिया और दो साल बाद अच्छे प्रॉफिट के साथ इस मिल को बेच दिया। उस दौरान बंबई कपड़ा मिलों की सबसे पसंदीदा जगह थी।

जमशेदजी ने अपना प्रॉफिट बढ़ाने के लिए दूरदर्शी सोच अपनाया और उन्होंने साल 1874 में 1.5 लाख रुपए के निवेश से महाराष्ट्र के नागपुर में सेंट्रल इंडिया स्पिनिंग, वीविंग और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी शुरू की। वहीं कपड़ा व्यापार का सस्ता एक्सपोर्ट करने के लिए साल 1873 में उन्होंने एक शिपिंग कंपनी शुरू की थी।

सिल्क उद्योग

बता दें कि देश में सिल्क उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भी जमशेद जी टाटा ने काम किया। साल 1893 में वह जापान यात्रा पर गए और वहां पर वैज्ञानिक तरीके से रेशम कीट पालन की पद्धति का पता चला। फिर जब वह भारत लौटे तो उन्होंने तब मैसूर स्टेट में इस कारोबार को फैलाया। इसके लिए उन्होंने जमीन खरीदी और सब्सडाइज तरीके से रेशम कीट का पालन शुरू किया। उन्होंने आम और कोल्ड स्टोरेज के कारोबार में भी हाथ आजमाया। साथ ही देश की पहली एविएशन कंपनी टाटा एयरलाइंस की शुरूआत की। जोकि बाद में एयर इंडिया हो गई।

मृत्यु

वहीं 19 मई 1904 को जमशेद जी टाटा का निधन हो गया था।

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादोस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादोस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार

लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

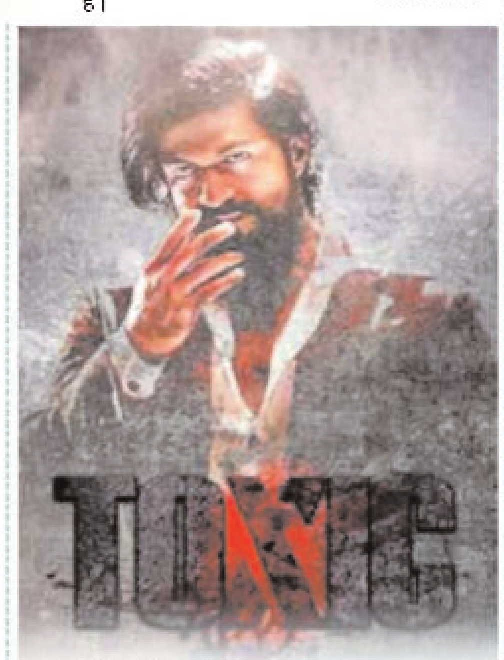

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

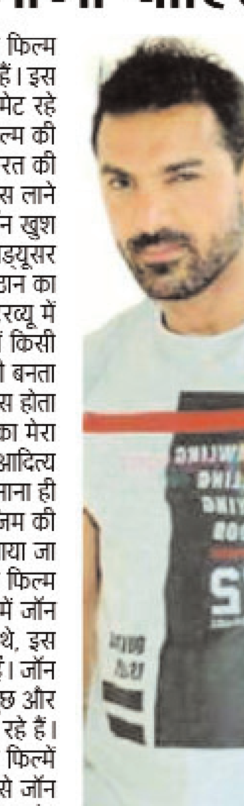

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लोमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लोमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फ्रैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लोमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

खुबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

कपिल बने भारतीय पत्रकार महासंघ के तहसील अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। भारतीय पत्रकार संघ एआईजे के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पाराशर , प्रदेश महासचिव चेतन ठठेरा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन के निर्देश पर भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष दिनेश पारीक ने कस्बा निवासी कपिल विजयवर्गीय को भारतीय पत्रकार संघ के बिजौलियां तहसील अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया । संस्था में नियुक्ति के साथ ही विजयवर्गीय को सात दिवस में तहसील कार्यकारिणी का गठन करते हुए पत्रकारो के हित में कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

छात्राओं को वितरित किए विधायक के शुभकामना संदेश

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को विधायक गोपाल खंडेलवाल के शुभकामना संदेश वितरित किए गए।मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्राओं के लिए खास उपहार हैं कि 12वीं बोर्ड परीक्षा में जो छात्राएं 90% से अधिक अंक लाएंगी उन्हें अयोध्याधाम की निःशुल्क हवाई यात्रा विधायक गोपाल खंडेलवाल द्वारा कराई जाएगी।इस अवसर पर जिला परिषद प्रत्याशी बिट्ठल तिवारी, सीबीओ दिलीप सिंह, उमाशंकर वैष्णव, रतन गौड़, धर्मराज खटीक, अनिल बंजारा व अरविंद गौड़ मौजूद रहे।

बिजौलियां के भक्त अयोध्या में कर रहे श्री 108 रामचरितमानस के पाठ

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। अयोध्या में बिजौलियां से गए रामायण पाठकों द्वारा श्रीरामचरितमानस के 108 पाठ की शुरुआत सोमवार से की गई। श्रीराम मन्त्रार्थ धर्मशाला में सभी पाठक एक साथ बैठ कर 11 मार्च तक प्रतिदिन श्रीरामचरितमानस के नवाह्न पारायण का पाठ करेंगे।साथ ही प्रत्येक दोहा-चौपाई पर हवन में आहुतियां प्रदान की जा रही हैं। वहीं दिन में 2 से 6 बजे तक डॉ. पंडित मिथिलेश नागर द्वारा संगीतमय श्रीराम कथा का वाचन भी किया जा रहा हैं।कार्यक्रम का आयोजन श्रीरामचरितमानस महामण्डल बिजौलियां व श्री बांके बिहारी सत्संग समिति के तत्वावधान में किया जा रहा हैं।

घर के बाहर खड़ी कार पर बदमाशों ने की फायरिंग करने का मामला

फायरिंग जैसी आवाज सुनने से इलाके में फैली दहशत

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे के वार्ड 32 स्थित इच्छेश्वर कॉलोनी में रविवार सुबह 6 बजे के आसपास अज्ञात बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कार पर फायरिंग कर दी। फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। गोली चलने जैसी आवाज सुनकर लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। लोगों को घरों से बाहर देखकर बदमाश मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि फायरिंग के दौरान किसी को गोली नहीं लगी। गोली कार के शीशे को तोड़ते हुए दीवार में जा लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित जीतू शर्मा पानी का टैंकर चलाने का कार्य करता है। हालांकि पीड़ित ने किसी से कोई दुश्मनी नहीं होने की बात कही है लेकिन पुलिस आपसी रंजिश या किसी पुरानी दुश्मनी की आशंका के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने एफ एस एल टीम को भी मौके पर बुलाया। एफ एस एल टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किए है। आसपास के लगे सीसीटीवी के आधार पर पुलिस बदमाशो की तलाश में जुटी हुई है। थानाप्रभारी मनोहर लाल मेघवाल ने फिलहाल फायरिंग जैसी घटना से इंकार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) से शहरी क्षेत्रों में अब होगा पेयजल की समस्या का निदान

5 हजार 830 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य होंगे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान प्रदेश ऐसा है जहां सदियो से पेयजल की समस्या हमेशा रहती है लेकिन अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच एवं कुशल नेतृत्व की बदोलत राजस्थान की तस्वीर एवं तकदीर दोनों ही बदलने वाली है। इस सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा बजट 2025-26 के तहत शहरी क्षेत्र के लिए पेयजल को लेकर बड़ी घोषणाएं की है, जिससे प्रदेश की शहरी जनता अब पेयजल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकेंगी। मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) से शहरी क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाएगा, इसके लिए प्रस्तुत किये गए बजट में 5 हजार 830 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य करवाये जाएगें। इसमें बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना स्टेज द्वितीय (फेज-2) के अन्तर्गत कॉमन इन्टेक वैल विथ रॉ वॉटर ट्रांसमिशन लाइन, जल शोधन संयंत्र मय Clear water transmission line एवं स्वच्छ जलाशय का निर्माण व अन्य सम्बन्धित कार्य जयपुर और अजमेर में 1 हजार 986 करोड़ 68 लाख रुपये के कार्य होंगे।

18 शहरों में 1 हजार 650 करोड़ रूपये के होंगे जलापूर्ति कार्य

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत जयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, भरतपुर सहित 18 शहरों में 1 हजार

650 करोड़ रूपये के जलापूर्ति कार्य सहित पाली, बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर, टोंक, झुंझुनूं, कुचामन सहित 11 शहरों में 275 करोड़ रूपये के सतत् जलापूर्ति के गुणात्मक संवर्धन कार्य करवाये जाएंगे। इसी तरह इस मिशन के तहत उदयपुर, चूरू, दूदू, बगरू, नसीराबाद, गुलाबपुरा, मुण्डावर, खैरथल, बहरोड़ सहित 51 शहरों में 1 हजार 200 करोड़ रूपये से सर्विस लेवल, सप्लाई और प्रेशर में सुधार के कार्य होंगे।

सोजत रोड पर होगा रैपिड ग्रेविटी जल शोधन संयंत्र का निर्माण

मिशन के तहत सोजत रोड पर 2.8 एम.एल.डी. का रैपिड ग्रेविटी जल शोधन संयंत्र, स्वच्छ जलाशय एवं राईजिंग पाईप लाईन का निर्माण कर कंटालिया बांध से सोजत रोड की जलापूर्ति का कार्य करवाया जाएगा। जिस पर 15 करोड 76 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। बंध बारैठा से मलाह हैड वर्क्स भरतपुर तक पुरानी 600 एमएम जीआरपी पाइप लाइन के स्थान पर डीआईके 7 पाइप लाइन बदलने का कार्य के लिए 67 करोड़ 73 लाख रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है। मारवाड़ जंक्शन को जाडन से जवाई बांध का पानी उपलब्ध करवाने के लिए 13 करोड़ 8 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे।

भरतपुर में 10 करोड़ रूपये से होंगे जलापूर्ति के कार्य

मिशन के तहत भरतपुर में एस.पी.जेड योजना में जल आपूर्ति का कार्य करने के लिए 10 करोड़ रूपये खर्च किये जाएंगे। शहरी जल योजना तारानगर में पुरानी व जर्जर पाइप लाइनों एवं पुराने पम्प सैट बदलने का कार्य करने के लिए 1 करोड़ 22 लाख रुपये एवं शहरी जल योजना नगर परिषद् नागौर की सीमा क्षेत्र से बाहर बसी आबादी को पेयजल सप्लाई से लाभान्वित करने के लिए जल योजना कार्य करने के लिए 17 करोड़ 94 लाख रुपये के कार्य करवाये जाएंगे।

पेयजल योजनाओं का होगा संवर्धन तथा सुदृढीकरण

मिशन के तहत निवाई, डिग्गी व लांबा हरिसिंह शहरी पेयजल योजनाओं के संवर्धन तथा सुदृढीकरण का कार्य सहित पाईप एवं टैंक स्कीम का कार्य किया जायेगा। साथ ही जादमों की ढाणी को पाईप स्कीम में बदलने का कार्य भी होगा। जिसके लिए 92 करोड़ 15 लाख रूपये खर्च किये जाएंगे। इसी तरह शहरी जल योजना श्रीडूंगरगढ़ के सुदृढ़ीकरण का कार्य के लिए 80 करोड़ रूपये, बगरू नगर पालिका के सम्पूर्ण क्षेत्र को पेयजल योजना से जोड़ने का कार्य के लिए 58 करोड़ 74 लाख रुपये, ग्रामीण योजना लूणकरणसर को शहरी जल योजना में क्रमोन्नत करने का कार्य करने के लिए 40 करोड 64 लाख रुपये, जीरो पोईन्ट हैंडवर्क्स पर स्वच्छ जलाशय का निर्माण कार्य-बाड़मेर के लिए 31 करोड 88 लाख रुपये, जल योजना नापासर के सुदृढीकरण का कार्य (लूणकरणसर) करने के लिए 27 करोड़ रुपये, अलवर शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जल प्रदाय सुविधा विकसित करने का कार्य करने के लिए 25 करोड़ रुपये, बालोतरा एवं सिवाना के लिए बफर स्टोरेज का निर्माण कार्य करने के लिए 19 करोड 70 लाख रुपये एवं शहरी जल योजना भावरी तहसील पिण्डवाड़ा के पुनर्गठन का कार्य करने के लिए 18 करोड 68 लाख रुपये की राशि से शहरी क्षेत्रों में पेयजल संबंधी कार्य करवाए जाएंगे।

अमानीशाह पंप हाउस पर स्वच्छ जलाशय का होगा निर्माण

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अन्तर्गत बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना के अन्तर्गत अमानीशाह पम्प हाउस पर 15 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय के निर्माण और इंटर कनेक्शन का कार्य करवाया जाएगा। इसका सीधा फायदा सिविल लाइंस, हवामहल, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और किशनपोल क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। इस पर 17 करोड़ 69 लाख रुपए का बजट में प्रावधान किया है।

धार्मिक स्थल देशनोक में पेयजल व्यवस्था का होगा सुदृढ़ीकरण

देशनोक में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का कार्य करने के लिए 9 करोड़ रुपये एवं नावां शहर के नहरी पेयजल से अलाभान्वित एवं वंचित क्षेत्र में नहरी पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 26 करोड़ 3 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। बांसवाडा के गढ़ी में 19 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से पेयजल वितरण प्रणाली विरतार संवर्धन तथा सुदृढ़ीकरण का कार्य किये जायेंगे।

टोडारायसिंह व मालपुरा शहर में लगेंगे स्मार्ट वॉटर मीटर

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अन्तर्गत टोंक जिले के टोडारायसिंह व मालपुरा शहर में स्मार्ट वॉटर मीटर लगाने के लिए 7 करोड़ 55 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। कोटा जिले के आंवली-रोझड़ी व नयागांव को अकेलगढ़ हैडवर्क्स से जोड़ने के लिए 2 करोड 48 लाख रुपये एवं तकली बांध से रामगंज मण्डी शहरी पेयजल योजना एवं खुडीयाला रीको के संवर्धन तथा सुदृढ़ीकरण का कार्य करने के लिए 110 करोड़ 79 लाख रुपये एवं सांगोद में अतिरिक्त जल शोधन संयंत्र का कार्य करने के लिए 8 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। शहरी क्षेत्रों में हाईराइज बिल्डिंग्स में भी पीएचईडी द्वारा पेयजल कनेक्शन दिए जाने की व्यवस्था की घोषणा सरकार द्वारा इस बजट में की गई है।

जिला कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं 6 मार्च से प्रारंभ होंगी। परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा व कड़ी निगरानी

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि परीक्षा में गोपनीयता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रश्न-पत्रों को थानों में डबल लॉक में सुरक्षित रखा जाए और पुलिस सुरक्षा के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाए। परीक्षा के दौरान मोबाइल टीमें सतत निगरानी करेंगी और किसी भी लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व मॉनिटरिंग व्यवस्था

पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि परीक्षा सामग्री को सुरक्षित रूप से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने व संग्रहण केंद्र तक लौटाने की अचूक व्यवस्था होगी। जिले के 99 परीक्षा केंद्रों पर 37,663 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जिनमें 17,875

उच्च माध्यमिक और 19,788 माध्यमिक विद्यार्थी शामिल हैं।

सीसीटीवी व वीडियोग्राफी से निगरानी

जिले के 1 अति संवेदनशील और 5 संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। 20 निजी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी, जबकि अन्य केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी। उड़नदस्ते, पर्यवेक्षक और माइक्रो ऑब्जर्वर परीक्षा प्रक्रिया पर पैनी नजर रखेंगे।

कंट्रोल रूम और शिकायत व्यवस्था

बोर्ड परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय कंट्रोल रूम 7976562418 एवं 9024116736 पर 9 अप्रैल तक 24 घंटे कार्यरत रहेगा। किसी भी परीक्षा संबंधी शिकायत पर इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में एडीएम संजय शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा, कोषाधिकारी कुलदीप मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 5 में नगर पालिका ने चलाया सफाई अभियान, जेसीबी से नाले की सफाई

जयपुर टाइम्स

बाली, पाली(निसं.) नगर पालिका द्वारा सफाई व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से वार्ड नंबर 5 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। लंबे समय से सफाई न होने के कारण वार्डवासियों को गंदगी और बीमारियों का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय निवासियों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका ने जेसीबी मशीन की सहायता से नाले की सफाई करवाई। वार्ड नंबर 5 के नाले में गंदगी और कचरा जमा होने से जलभराव की स्थिति बनी हुई थी, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा था। इस वजह से क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ था। सफाई कार्य शुरू होते ही स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली और नगर पालिका के इस प्रयास की सराहना की। सफाई अभियान के दौरान नगर पालिका के अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से फीडबैक भी लिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे। स्थानीय प्रेस रिपोर्टर जमाल खान ने कहा, "पिछले कई महीनों से नाले में गंदगी जमा हो रही थी, जिससे मच्छर पनप रहे थे और बदबू भी आ रही थी। नगर पालिका द्वारा जेसीबी मशीन से सफाई करवाने से हमें काफी राहत मिली है। अब उम्मीद है कि यह अभियान समय-समय पर जारी रहेगा।" नगर पालिका के सफाई अभियान से वार्ड नंबर 5 के नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे कचरा नालों में न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

शितलासप्तमी गैर मेले के आयोजन को लेकर श्री शितलामाता मन्दिर सेवा ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करने के साथ मेला आयोजन कमेटी का किया गठन

हिसाब-किताब सुपुर्द नहीं करने पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व कोषाध्यक्ष के विरुद्ध निन्दा प्रस्ताव

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। पारम्परिक रंगों का त्यौहार होली की शितलासप्तमी पर गैर मेले का प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी भव्य आयोजन करने की तैयारियों एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा व विचार विमर्श करने के लिए रजिस्टर्ड संस्था श्री शितलामाता मन्दिर सेवा ट्रस्ट की आवश्यक बैठक रविवार को तीसरे पहर मन्दिर शिवगंज परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायणलाल गहलोत ने सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार मन्दिर में की जा रही सामान्य मरम्मत,रंग-रोगन एवं नया स्टील का भंडारा,स्टील की जाली, पूजन सामग्री रखने का पात्र बनवाकर स्थापित करने बाबत जानकारी दी और गैर नृत्य मेले की व्यापक तैयारियों की रुपरेखा प्रस्तुत की।जिस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी सहमति जताई। पांच माह पूर्व देव स्थान विभाग जोधपुर के हस्तक्षेप से हुए ट्रस्ट के पुनर्गठन पश्चात आयोजित इस छष्ठम बैठक में ट्रस्ट के मंत्री विजयसिंह गहलोत द्वारा पद व सदस्यता से दिया गया इस्तीफा सर्वानुमति से स्वीकार कर लिया गया। बैठक में चर्चा कर इनके स्थान पर सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी

दिनेश खंडेलवाल को मंत्री एवं बाबूलाल ग्वाला को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक में शितलासप्तमी को आयोजित होने वाले सबसे बड़े गैर मेले की व्यापक तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।चर्चा के बाद पारित निर्णय के मुताबिक मेले की समुचित व्यवस्थाओं के साथ सफलता के लिए मेला आयोजन कमेटी गठित की गई। बैठक में अध्यक्ष नारायणलाल गहलोत के अलावा मंत्री दिनेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष भंवरलाल मालवीय लुहार, सदस्य पुखराज परिहार वरिष्ठ जर्नलिस्ट, बाबूलाल ग्वाला, नारायण लाल उर्फ हनुमान सोनी,जोगाराम प्रजापत, नरेन्द्र खंडेलवाल, अशोक सुथार, ठाकुर प्रसाद श्रीमाली,चुन्नीलाल परिहार, हीराराम कुमावत व शम्भूदास वैष्णव आदि उपस्थित हुए। 35 सदस्यों के ट्रस्ट में अध्यक्ष, मंत्री व कोषाध्यक्ष सहित 9 कार्यकारिणी सदस्य एवं 26 साधारण सदस्य हैं। बावजूद शितलासप्तमी मेले की निकटता के मद्देनजर तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में मात्र 13 सदस्यों ने ही सहभागिता निभाकर सुझाव दिए व प्रस्तावों पर अपनी सहमति जताई। ग्यारह सदस्यीय मेला आयोजन कमेटी में विशेषकर युवाओं को तरजीह देते हुए शम्भूदास वैष्णव, नारायण लाल सोनी,अरविंद कुमार परारिया,सुभाष अग्रवाल,भरत अरोड़ा,अशोक कुमार सुथार, अभिमन्यु माली,रमेश कुमार छिपा, अशोक कुमार चित्तारा,नरेन्द्र खंडेलवाल व हीराराम कुमावत को शामिल किया गया।यह कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायणलाल गहलोत की देखरेख व निर्देशन के पालन में कार्य कर व्यवस्थाओं को अंजाम देगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सहमति से निर्णय पारित किया गया कि बैंकों के खाते में लेन-देन हेतु अध्यक्ष,मंत्री व कोषाध्यक्ष मेंसे कोई भी दो लेन-देन के लिए अधिकृत रहेंगे लेकिन इसमें कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर जरूरी रहेंगे है। बैठक में चर्चा कर मेले में भामाशाहों व सहयोगियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों को भी बकायदा पत्र देकर आमंत्रित करने व उनका स्वागत-सम्मान करने,मेले में पुलिस का माकुल बंदोबस्त एवं सफाई व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग व नगरपालिका को पत्र लिखकर सूचना देने,सभी सदस्यों के फोटो युक्त बैज बनाने एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों तथा साधारण सदस्यों के नामों तथा मेलार्थियों के स्वागत-अभिनन्दन के हार्डिंग बनाने का भी निर्णय लिया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No- 2185-98 Date- 19.02.2025

Notice Inviting Bid No 24/2024-25

Bids for 1 (One Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 10.03.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan. gov.in/http:// sppp. raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 128.00 Lacs
NIB No PWD2425A4320
UBN No:- PWD2425WSOB15520

DIPR/C/2539/2025

Executive Engineer
PWD Dn. Sujangarh

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEPARTMENT, DIVISION TARANAGAR

TELEPHONE NO. 01561-240240 E-Mail Address: exenphed trn@rediffmail.com
No. 2681 Date-19/2/25

CORRIGENDUM-02
(NIT NO.124-129/2024-2025)

In continuation to this office detailed NIT No. 124-129/2024-2025, issued vide this office Rajkaj Ref. No.13330320 dated 31.01.2025 under Div. Taranagar following amendments are hereby notified:

1. The date of tendering process amendment as follows:-

S.No.	Particulars	As per corrigendum-1	Now amended dates are as below
01	Last Date & Time for Submission of on line BID	20.02.2025 at 2.00 PM	03.03.2025 at 2.00 PM
02	Date & Time for Opening of Technical Bid	21.02.2025 at 11.00 AM	04.03.2025 at 11.00 AM

ई - निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी

DIPR/C/2573/2025

(राजेश कुमार जांगिड)
अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग,
खण्ड तारानगर

गौड़ ब्राह्मण सेवा संस्थान की कार्यकारिणी घोषित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। गौड़ ब्राह्मण सेवा संस्थान की बैठक का आयोजन रविवार को शहर के सप्त ऋषि भवन में किया गया, बैठक में संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर दीनदयाल जोशी,एडवोकेट रविंद्र को उपाध्यक्ष,राजेश जोशी को मंत्री, मयंक शर्मा को सह मंत्री, कमलनयन मिश्रा को कोषाध्यक्ष, अंकित सुरोलिया को उपकोषाध्यक्ष सर्व सम्मति से घोषित किया गया। वही रामस्वरूप सुरोलिया, प्रकाश पासोरिया, यादव शास्त्री, आत्माराम मिश्रा, नारायण इंदौरिया, बालकृष्ण जोशी, मुकेश ढड, विजय कुमार रिंगसिया, वेद प्रकाश वैद्य को संस्थान का सदस्य नियुक्त किया गया। आयोजित बैठक में प्रस्ताव लिया गया कि उक्त कार्यकारिणी का पंजीकरण भी करवाया जाएगा और आगामी बैठक के संबंध में बताया गया कि संगठन की आगामी बैठक 16 मार्च को होली स्नेह मिलन के रूप में आयोजित की जाएगी।

शालिनी को एमएस मिली उपाधि

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। क्षेत्र के गांव कुल्हरियो की ढ़ाणी निवासी डॉ शालिनी ने एमएस मास्टर ऑफ सर्जरी की उपाधि हासिल की। कुल्हरियो की ढ़ाणी हाल हाउसिंग बोर्ड झुझुनू निवासी राजेश कुलहरीपुत्र ओमप्रकाश कुलहरी की पुत्री शालिनी कुलहरी ने कोटा के राजकीय मेडिकल कॉलेज से मास्टर ऑफ सर्जरी एमएस की पढ़ाई की हैं। शालिनी ने इससे पहले एमबीबीएस की पढ़ाई भी कोटा के राजकीय मेडिकल कॉलेज से ही पुरी की है। इस उपलब्धि पर दादा ओमप्रकाश, दादी निर्मला देवी, आरके गैस मंडावा संचालक पिता राजेश कुलहरी, माता सुनीता कुलहरी, भाई कार्तिक, भाभी दीपशिखा सहित परिजनो ओर रिश्तेदारो ने इस सफलता को लेकर खुशी व्यक्त की है।

बेरोजगारी भते को लेकर जनवादी नौजवान सभा ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। भारत जनवादी नौजवान सभा की लक्ष्मणगढ़ तहसील कमेटी की ओर से पटवारी भर्ती और बेरोजगारी भत्ते के संबंध में राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम लक्ष्मणगढ़ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पटवारी भर्ती में वर्गीकरण एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण के नियमानुसार करने, सभी युवाओं को पीछे का बकाया सहित बेरोजगारी भत्ता जारी करने व कॉलेज लेक्चरर भर्ती में जल्द साक्षात्कार करवाने की मांग की गई। उक्त मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई।

खाटूश्याम के लिए पदयात्रा रवाना

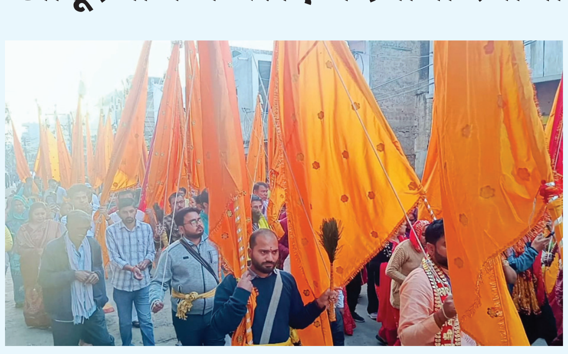

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ के गणेश मंदिर से सोमवार सुबह श्याम सहारा परिवार की ओर से लक्ष्मणगढ़ से खाटूश्याम के लिए विशाल निशान पदयात्रा रवाना हुई, पदयात्रा में करीब ढाई सौ श्याम भक्त हाथों में बाबा श्याम का निशान लिए नाचते गाते चल रहे थे। 104 निशानों का बाबा श्याम का जत्था करीब 3 विश्राम के बाद बाबा श्याम के दरबार पहुंचेगा। निशान पदयात्रा के दौरान मातृ शक्ति सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु हाथो मे बाबा श्याम का निशान लिए और बाबा का जयकारा लगाते हुए रवाना हुए। इससे पूर्व बीती रात को शहर के गणेश मंदिर में विशाल श्याम कीर्तन का आयोजन किया गया। संदीप बजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त पदयात्रा सर्व प्रथम सन 1999 में प्रारंभ की गई थी जो उसके बाद से अब तक प्रति वर्ष आयोजित की जाती है।

युवाओं से शिक्षा और समाज हित में काम करने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के करणी राजपूत छात्रावास में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का 9 वां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। तहसील कार्यालय की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में करणी छात्रावास के छात्र और समाज के युवा शामिल हुए। वक्ताओं ने युवाओं से संगठित होकर समाज हित में कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के युवाओं का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही युवाओं से शिक्षा के महत्व को समझते हुए जरूरतमंदों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। उनका लक्ष्य है कि देश और राज्य में कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे। सेना के संयोजक भैरूसिंह मालसर ने बताया कि कार्यक्रम में ईडब्ल्यूएस सरलीकरण की मांग और संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। राजपूत समाज के प्रबुद्धजनों और युवाओं ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में तहसील सचिव अजीत सिंह बुकनसर, गिरधारी सिंह बुकनसर, जीतू सिंह मालसर, अर्जुन सिंह, दलीप सिंह, सुखवीर सिंह, लोकेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह, सतवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, कान सिंह, सदेव सिंह, जयवीर सिंह सहित अन्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने गत वर्ष व हाल ही में की गई बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन सहित अन्य कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बजट में स्वीकृत सड़कों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

होली पर पानी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

जिला कलेक्टर ने पेयजल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि होली के अवसर पर पानी की आपूर्ति को सुचारू रखा जाए और आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने विद्युत आपूर्ति व मौसमी बीमारियों की स्थिति पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का होगा आंकलन

बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने ओलावृष्टि से हुई फसलों की क्षति की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य को शीघ्रता से पूरा कर प्रभावित किसानों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

यह रहे मौजूद

बैठक में झुंझुनू एसडीएम हवाई सिंह यादव, एसीईओ रामनिवास चौधरी, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता महेंद्र सिंह झाझडिया, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राज्यपाल सिंह, सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनिया, एपीआरो विकास चाहर, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, सांख्यिकी विभाग की उपनिदेशक पूनम कटेवा सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

फायर सेफ्टी और चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान

नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया को निर्देश दिए गए कि सभी व्यावसायिक भवनों व अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम की जांच सुनिश्चित करें। वहीं, सीएमएचओ को निर्देश दिए कि निजी अस्पतालों में चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में जिला रसद अधिकारी को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वंचित परिवारों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें।

यात्रियों की सुविधाओं पर जोर

कलेक्टर रामावतार मीणा ने जिले के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यात्रियों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निजी व रोडवेज बस स्टैंड पर आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाए। साथ ही, दिव्यांगजन के लिए रैंप व व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

ग्रीन टेक्नोलॉजी एवं ग्रीन इंजीनियरिंग के मॉडल पर काम करें- डॉ डीपी शर्मा

टेक्नोलॉजी को सस्टेनेबल बनाने के लिए युवा ग्रीन कंप्यूटिंग

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। भांकरोटा स्थित, राजस्थान कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग फॉर वुमेन, जयपुर द्वारा "सतत प्रौद्योगिकी के लिए विकसित होता परिदृश्य" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन का आज शुभारंभ हुआ। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का उद्देश्य सतत (सस्टेनेबल) तकनीकी विकास में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करना और नवाचार, अनुसंधान एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना है। इस सम्मेलन में यूनाइटेड नेशंस के डिजिटल डिप्लोमेट एवं प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर डॉ डीपी शर्मा ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी एवं ग्रीन कंप्यूटिंग पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि तकनीकी एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में डिजाइन, डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, यूसेज एवं डिस्पोजल तक पूरे लाइफ साइकिल में हमें ग्रीन स्टैंडर्ड्स एवं प्रैक्टिसेज को अपनाना होगा तभी हम कार्बन एमिशन को कम कर करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और इस पूरी धरा को मीनिंगफुल, यूजफुल पर्पजफुल एवं फ्रूटफुल विज्ञान एवं तकनीक के आविष्कारों से शुखद् प्लेनेट बना सकते हैं।

सम्मेलन में अन्य वक्ताओं ने तकनीकी के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। यह दो दिवसीय सम्मेलन प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा और सतत विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित हैं. जिसमें देश भर के शोधकर्ता, शिक्षाविद, उद्योग विषय विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस सम्मेलन में देश के कौने कौने से अभियांत्रिकी एवं तकनीक से जुड़े अनेक शिक्षाविदों ने भी अपने विचार रखे जिसमें हरियाणा, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कोलकाता, महाराष्ट्र, गुजरात, चेन्नई, और दिल्ली से लगभग 20 विषय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किये। कॉलेज निदेशक डॉ अरिहंत खींचा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कॉन्फ्रेंस की सफलता के लिए कामना की।

महाप्रबंधक अमिताभ ने दुर्घटना राहत गाड़ी एवं अनुरक्षण शेड का उद्घाटन किया

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने सोमवार को फुलेरा रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना राहत गाड़ी एवं अनुरक्षण शेड फुलेरा का प्रवीण कुमार प्रबंध निदेशक-डीएफसीसी आईएल एवं विकास पुरवार मंडल रेल प्रबंधक जयपुर, शिवेंद्र मोहन,प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर की गरिमामयी उपस्थिति में उद्घाटन किया। कृष्ण कुमार मीना वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीना ने बताया कि जयपुर मंडल के फुलेरा रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक अमिताभ नें दुर्घटना राहत गाड़ी एवं अनुरक्षण शेड फुलेरा का उद्घाटन एवं वृक्षारोपण किया। साथ ही लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर,ट्रैकमैन व अन्य विभाग सहित ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों से संरक्षा संवाद कर उनकी समस्याएं को धैर्यपूर्वक सुनकर समस्याओं का शीघ्र ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान वैगन कैयर कॉम्पलेक्स,पारिस्थितिक पार्क में नई स्काउट और गाइड सुविधाओं का निरीक्षण,सामुदायिक भवन, रेलवे हॉस्पिटल,इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कंट्रोल टॉवर साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक अमिताभ के साथ प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक मदन राम देवड़ा, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर पीयूष माथुर,अपर मंडल रेल प्रबंधक संजीव दीक्षित, सीटीई उत्तर पश्चिम रेलवे जितेंद्र पाट्टवा,सीई/एलई राजेश कुल्हारी,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर प्रमोद रावत, मंडल वाणिज्य प्रबंधक जगदीश कुमार साथ ही मुख्यालय व मंडल के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे । इस मौके पर नागरिकों द्वारा महाप्रबंधक का स्वागत किया गया व अपनी रेल से संबंधित समस्याओं का ज्ञापन दिया।

फागोत्सव में कालबेलिया नृत्य के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर थिरके प्रवासी

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शेखावाटी जनपद का मंडावा शहर अभी से होली के रंगो में रंगने लगा है। चारो तरफ फाल्गुनी गीतो की बहार ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमो का सिलसिला जारी हो गया है। कार्यक्रमो के इस दौर में स्थानीय लोगो के साथ साथ शेखावाटी की धरा से जूड़े प्रवासी लोग भी जमकर राजस्थानी लोक कलाओ का आनंद उठा रहे है। फागोत्सव को लेकर हैरिटेज परिसर में खाटू श्याम ग्रुप प्रवासी सदस्यो के तत्वाधान में लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। होली से पूर्व आयोजित होने वाले सांस्कृतिक ओर फाल्गुली कार्यक्रम में जोधपुर कालबेलिया ग्रुप ने एक से बढ़कर एक लोक गीतो की प्रस्तुतिया देकर प्रवासी लोगो को झुमने को विवश कर दिया। देर रात तक ढ़ंप की थाप ओर बांसुरी की धुन ओर लोक गीतो पर महिलाए और पुरूषो ने ठुमके लगाए। इस अवसर पर संगली, विशाखापट्टनम, विजयमनगर, ब्रह्मपुर उड़ीसा,अकोला महाराष्ट्र, रंभा, इचलकंरजी, सुरत से आये शेखावाटी प्रवासी सदस्य हरिनारायण मरदा, रमेश मालपाणी, महाबीर मालाणी, नथमल मुंदरा, सुभाष मुंदरा, राजेश बजाज, अशोक मालू, अरूण अग्रवाल,अरूण राठी, प्रदीप कुमार, बृजमोहन मालाणी का राजस्थानी परंपराओ से अरविंद पारीक, मधु सुदन खेमाणी, किशोर सिंह शेखावात के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रवासी सदस्यो ने कहा कि अपनी मातृभूमि पर त्यौहारो को मनाने का आनंद विशेष है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में हर त्यौहारो को मनाने की कला ओर संस्कृतिक से जुड़ाव
अपने आप ही आकृषित कर लेने की बात कही।

जिला कलक्टर ने की निशानेबाज अक्षय कुमार की हौंसला अफ़जाई

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं के चिड़ावा में चौहानों की ढाणी (अड़ूका) के रहने वाले 22 वर्षीय निशानेबाज अक्षय कुमार 2028 ओलंपिक की तैयारियों में जोर-शोर से जुटे हैं। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने उन्हें सोमवार को मुलाकात के दौरान शुभकामनाएं दी व हौसला अफज़ाई की। इस दौरान जिला कलक्टर ने उनका साफा पहनाकर भी सम्मान किया। अक्षय 2023 में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फैडरेशन द्वारा दक्षिण कोरिया में हुई एशियन चैंपियनशिप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल इवेंट में देश को कांस्य पदक दिला चुके हैं। वे वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2023 में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं। इस दौरान जिला कलक्टर ने उन्हें जिला प्रशासन द्वारा यथासंभव सहयोग की बात कही। इस दौरान रणवीर सिंह बड़ागांव, कन्हैयालाल बहलवाननगर, प्रेमप्रकाश शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

पिता ही हैं कोच व आदर्श

अक्षय कुमार ने बताया कि वे पिछले 7 वर्षों से पिस्टल निशानेबाजी से जुड़े हैं। खास बात यह है कि उनके पिता ही उनके कोच व आदर्श हैं। उनके पिता आर्मी से सेवानिवृत सूबेदार हैं, वे भी निशानेबाज रह चुके हैं। अक्षय की एजुकेशन आर्मी स्कूल महू (मध्यप्रदेश) से हुई है। फिलहाल वे दिल्ली के करणी सिंह निशानेबाजी स्टेडियम में नियमित अभ्यास में जुटे हैं।

बड़ागांव हॉस्पिटल में अव्यवस्थाओं का आलम, चिकित्सक नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

जयपुर टाइम्स

गुढ़ा/झुंझुनूं(निसं.)। जिले के बड़ा गांव कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में चिकित्सकों के पांच पद स्वीकृत होने के बावजूद भी ग्रामीणों को इलाज व जांच के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कारण कि स्वीकृत पांच में से 4 पद रिक्त हैं। ऐसे में यह सीएचसी मात्र एक डॉक्टर के भरोसे है। उल्लेखनीय है कि स्टेट हाईवे होने के अलावा यह सीएचसी बड़ागांव समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। इसके बावजूद भी मरीजों को यहां पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसके चलते ग्रामीणों को मजबूरन झुंझुनू व गुढ़ा गौड़जी जाना पड़ रहा है। पंचायत समिति सदस्य दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इससे पहले कांग्रेस गवर्नमेंट में पांच डॉक्टर नियुक्त थे, सभी सेवा दे रहे थे उसके बाद सीएमएचओ छोटेलाल गुर्जर से बात की उन्होंने कहा 7 दिन के अंदर दो डॉक्टर हम लगा देंगे उसके बाद लोगों ने धरना प्रदर्शन 7 दिन के लिए स्थागित कर दिया सीएचसी में रोजाना 225 से ज्यादा की ओपीडी रहती है जिसे डॉक्टर पंकज गोरा सेवा दे रहे थे। साथ ही उनके पास सीएससी प्रभारी का चार्ज था उनका भी ट्रांसफर कर दिया। पूर्व सरपंच राजेंद्र सैनी ने कहा कि ऐसे हॉस्पिटल की व्यवस्था खराब कर रखी है उन्होंने कहा कि यहां पर पांच डॉक्टर की नियुक्ति होनी चाहिए जो की जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां आपातकालीन कोई व्यवस्था नहीं है 3 दिन पहले एक एक्सीडेंट हो गया था उसको लेकर अस्पताल में पर वहां पर आपातकालीन सेवा नहीं मिली और उसको जयपुर ले जाया गया वहां पर जाकर खत्म हो गया उसको लेकर गांव वालों में रोस है ष्द्द्ध्रश छोटेलाल गुर्जर से भी बात की उन्होंने कहा 7 दिन में दो डॉक्टर लगाने की बात कही, उसके बाद धरना प्रदर्शन 7 दिन के लिए स्थागित कर दिया गया बड़ागांव पीएचसी 2013 में सीएससी में क्रमोन्नत तो हो गई लेकिन वैसी सुविधाएं यहां नहीं मिल पा रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक करीब 15 हजार से ज्यादा की आबादी के बावजूद भी सीएचसी में आवश्यक सुविधाओं की कमी है। एक्स-रे मशीन नहीं होने से क्षेत्र के मरीजों समेत दुर्घटना में घायलों को भी जिला अस्पताल ही रेफर करना पड़ता है। साथ ही यहां एक भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं बड़ागांव रामनिवास सिंह बड़ागांव ने कहा जल्दी व्यवस्था नहीं होती है तो उचित कार्रवाई करेंगे पूर्व सरपंच राजेंद्र प्रसाद सैनी दीपेंद्र सिंह शेखावत पंचायत समिति सदस्य बड़ागांव कुलदीप सिंह करणी सेना योगेंद्र सिंह हर्षवर्धन सिंह सचिन शर्मा विजय गुर्जर अजय प्रताप सिंह नरेंद्र सिंह आजाद सिंह आदि मौजूद रहे। इससे हांसलसर, सीथल, नाटास, शिवनाथपुरा, नंगली गुर्जरान, रामनगर, केसरीपुरा, दोरासर, चारणवास, बजावा, हमीरवास, बड़ागांव, सैनीपुरा, मालसर, बिशनपुरा, खींवासर आदि इन गांवों के मरीजों को परेशानी हो रही है।

गणित व सूत्रों के प्रति कम रूचि बड़ी चिन्ता का विषय: तोदी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन नहीं होने के कारण कई बार परम्परागत पद्धतियां भी कारगर साबित नहीं रहती। इस देश में आर्यभट्ट और श्रीनिवास रामानुजन जैसे गणितज्ञ हुए। हाल फिलहाल के दिनों में देखा जाए, तो गणित के सूत्र केवल चंद बच्चों को ही रास आते हैं। सुजानगढ़ में कैलेण्डर मैन के नाम से मशहूर भामाशाह व समाजसेवी पवन तोदी बताते हैं कि इन दिनों बच्चों के दिमाग में गणित के सूत्रों को लेकर जो अरूचि की भावना देखने को मिल रही है, वह काफी निराशाजनक है। सैंकण्डों में 200 साल तक का कैलेण्डर बताने का हुनर रखने वाले पवन तोदी ने बताया कि मैं पिछले काफी सालों से अपनी कला को अलग-अलग स्टेजों और लोगों के सामने प्रदर्शित कर चुका हूं और सबको बताता हूं कि एक सैकण्ड में सैंकड़ों

सालों पहले का वार और तारीख बताई जा सकता है। और तो और काफी लम्बे सारे जोड़ मौखिक ही जोड़े जा सकते हैं। लेकिन इतना सब कुछ प्रत्यक्ष दिखाने के बाद भी अब तक सालों में एक भी विद्यार्थी उनके पास ऐसा दनहीं आया है, जो ये जिद करे कि मुझे भी ये हुनर सीखना है। तोदी ने बताया कि मैं सुजानगढ़, कलकता, दिल्ली सहित देश के कई शहरों में इस कला का प्रदर्शन कर चुका हूं, लेकिन लोग आश्चर्य व्यक्त करते हैं और कुछ समय बाद बातों को भूल जाते हैं, जिसके कारण साफ पता चलता है कि लोगों में गणित को लेकर कितनी कम रूचि है।

गाने के हिसाब से बता सकते हैं साल व दिन

समाजसेवी पवन तोदी के पास ऐसा हुनर है, जिसके सभी कायल हैं। तोदी करीब दो सौ सालों का कैलेण्डर मौखिक बता सकते हैं। किसी भी साल का वार बोल दो, तो सारी तारीखें बता सकते हैं। तारीख बोल दो, तो वार बता सकते हैं। अब तो वो जन्म तिथि बताते ही उम्र के दिन बताने की प्रेक्टिस कर रहे हैं। और तो और वार और तारीखों को गानों के रूप में लयबद्ध तरीके से बताने का भी प्रयास करते हैं।

काफी अच्छी करते हैं कविता

ये ऐसा हुनर जो हर किसी के बस का खेल नहीं है। कविता करना पवन तोदी का पसंदीदा काम रहा है। ऐ मेरे वतन के लोगों - गाने के काउंटर में भी उन्होंने गाना लिखा जो काफी प्रसिद्ध हुआ। इसी प्रकार मां पर लिखी कविता तो सभी को प्रभावित करने वाली है। निंदिया रानी पर लिखि कविता हाजिर जवाबी का जबरदस्त उदाहरण है। इसी प्रकार देश की समसामयिक घटनाओं और नेताओं के क्रिया कलाप उनकी कविता के विषय रहे हैं, जो लोगों को प्रभावित करते हैं।

रील्स की दुनिया ये होती है याददाश्त प्रभावित

भामाशाह पवन तोदी ने बताया कि रील के कारण आजकल के बच्चों की याददाश्त प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा सा कारण ये है कि एक मिटन में आजकल के युवा स्क्रोल करते हुए 15-20 रील देख डालते हैं, जिसके कारण दिमाग में याददाश्त स्थापित नहीं हो पाती। इसी प्रकार इरंटनेट के युग में मोबाईल व्यक्ति के सहायक की बजाय, व्यक्ति मोबाईल का गुलाम होता चला जा रहा है और याद रखने का जिम्मा धीरे-धीरे हम लोग मोबाईल को देते जा रहे हैं, जो आने वाले समय में मनुष्य की स्मरण शक्ति को सबसे बड़ा आघात होगा। तोदी ने कहा कि बच्चों को परम्परागत जोड़- बाकी-गुणा-भाग की प्रक्रियाएं सिखाने की बजाय तकनीकी रूप से सरल पद्धतियों को अपनाये जाने की जरूरत है, ताकि बच्चों के लिए अध्ययन आसान व रूचिकर हो और कोई भी पहाड़ा या गिनती याद रखने की भी आवश्यकता न पड़े।

ब्याज सहित कुल 13.57 लाख रूपये का अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना मामले में ब्याज सहित कुल 13.57 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 24 मार्च 16 को कोहिणा गाँव के बजरंगलाल पुत्र शिशपाल जाट व बजरंगलाल पुत्र सुगनाराम मेघवाल और धर्मपाल पुत्र शिशपाल जाट तीनों पिकअप में सवार होकर भालेरी से कोहिणा जा रहे थे, धर्मपाल गाड़ी चला रहा था ज़ब भालेरी से दो किलीमीटर गलगटी की तरफ पहुंचे तो धर्मपाल ने पिकअप गाड़ी को तेज गति व लापरवाही व गफलत से चलाकर पलटा दिया, जिससे बजरंगलाल जाट पिकअप के नीचे दब गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। बजरंगलाल मेघवाल ने घटना का मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने अनुसंधान कर पिकअप चालक के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक बजरंगलाल की ओर से उसकी माता विमला, भाई, दादा दादी ने न्यायालय में क्लेम याचिका पेश की। पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने पत्रावली का अवलोकन कर पत्रावली पर आई साक्ष्यों के आधार पर प्रार्थीगण विमला आदि के पक्ष में मय ब्याज कुल 13.57 लाख रूपये का अवार्ड पारित कर अप्रार्थी बीमा कम्पनी को अदा करने का आदेश प्रदान किया।

जर्जर विद्युत पोल को बदने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सामाजिक कार्यकर्ता बसन्त बोरड़ ने चूरू जिला कलक्टर को पत्र लिखकर राजकीय बगड़िया अस्पताल के पिछले गेट पर स्थित जर्जर विद्युत पोल को बदले जाने की मांग की है। बोरड़ ने पत्र में बताया है कि राजकीय बगड़िया अस्पताल के दक्षिणी तरफ के दरवाजे के पास जर्जर विद्युत पोल स्थित है, जो कभी भी हादसे का कारण बन सकता है। ज्ञापन में बताया गया है कि यहां से रोज हजारों लोगों का आगमन होता है, अगर कोई हादसा को गया, तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं, अतः तुरंत प्रभाव से बिजली विभाग को आदेश देकर इस विद्युत पाल को बदले जाने की व्यवस्था करने की मांग ज्ञापन में की गई है।

राजलदेसर में 30 किलो दूषित मावा नष्ट करवाया, 7 नमूने लिए

जयपुर टाइम्स

चूरू/राजलदेसर(निसं.)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग की ओर से राजलदेसर में 30 किलो दूषित मावा नष्ट करवाया व 7 नमूने लिए। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा और मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज शर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन बाजिया की ओर से राजलदेसर में महामाया मिष्ठान भंडार से मावा व काजू का नमूना लिया और 30 किलो दुषित मावा नष्ट करवाया गया। राजलदेसर में बालाजी उद्योग से काजू, सौरभ किराया स्टोर से घी व मैसर्स बंशीलाल नंदलाल से नमक, जोधपुर मिष्ठान भंडार से मैदा व बेसन का नमूना लेकर प्रयोगशाला जयपुर भिजवाए गया। खाद्य पदार्थ की जांच रिपोर्ट अमानक पाए जाने पर संबंधित

विक्रेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। दूध व दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ व मिठाईयां तैयार करने वाले दुकानदारों को साफ सफाई रखने व गुणवता युक्त खाद्य समग्री को काम में लेने के लिए पाबंद किया।

पांच दिवसीय घिन्दर नृत्य को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में फागुन मास में होली पर्व पर होने वाले पांच दिवसीय घिन्दर नृत्य को लेकर गांधी चौक नृत्य कला मण्डल की बैठक रात्री 8 बजे गांधी चौक में सम्पन्न हुई। मोहनलाल खण्डोलिया की अध्यक्षता में शुरू हुई बैठक में कोषाध्यक्ष छत्रसिंह मारू ने गत वर्ष का लेखाजोखा पेश किया। उसके बाद संजय महावार को सर्वसम्मति से बनाया गया। धीरज सैनी ने संजय महावार को कार्यभार दिया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी का गठन करते हुए जगमोहन शर्मा, दिनदयाल स्वामी, मदन दाधिच, कानजी सोनी, सुशील घोषल,कालू जाट,धन्नाराम आचार्य, विनोद भाटिया, जंगदिश पुरोहित,को उपाध्यक्ष बनाया गया। कोषाध्यक्ष छत्रसिंह मारू को सर्वसम्मति से साथ सह कोषाध्यक्ष विष्णु स्वामी, मंत्री गोपाल खण्डोलिया, सहमंत्री मनोज खण्डोंलिया को बनाया गया। नरपत बैद, खिवकरण कुण्डलिया, मोहनलाल महावर, नथमल सेठी,पवन बोथरा, जयचन्द महावर, पुरूषोत्तम मारू, शंकरलाल खण्डोलिया, गोपाल मारू,धीरज सैनी, राजकुमार मारू, भगाराम प्रजापत, चान्दरतन खण्डोंलिया, देवकी महराज को संरक्षक नियुक्त किया। बैठक में कस्बे के काफी लोग मौजूद रहे।

आरक्षण के हिसाब से पद आवंटित करनें की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भारत की जनवादी नौजवान सभा की तहसील कमेटी की ओर से उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की ओर से पटवारी सीधी भर्ती 2025 के विज्ञापन में एससी/एसटी व ओबीसी वर्गों को आवंटित कम पदों की पुनः समीक्षा कर आरक्षण रोस्टर पंजिका के नियमानुसार पटवारी सीधी भर्ती करवाई जाए। ज्ञापन में बताया गया है कि एससी/एसटी और ओबीसी वर्गों को आरक्षण प्रतिशत से कम पद आवंटित किए गए हैं, जबकि कार्मिक विभाग की ओर से राजस्थान की ओर से सभी विभागों को सभी पदों की संधारित आरक्षण रोस्टर पंजिका की अधिकारिक विभागीय वेबसाईट पर दर्शाने हुत स्पष्ट आदेश जारी किए हुए हैं। लेकिन विडम्बना है कि अधिकतर विभागों की ओर से संधारित आरक्षण रोस्टर पत्रिकाओं को वेबसाईट पर प्रदर्शित नहीं किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2021 में 5 हजार से अधिक पटवारी पदों पर भर्ती हुई थी, जो अभी तक विभागीय साईट पर प्रदर्शित नहीं किया गया है। इसी प्रकार बकाया बेरोजगारी भत्ता भी युवाओं को दिलवाये जाने, युवा मित्रों को अटल प्रेरक में समायोजित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में सुजानगढ़ पंचायती राज विभग के कर्मचारियों व मेट की मिलीभगत से हो रही फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने जाने की मांग भी की गई है। ज्ञापन सौंपते वक्त किसान सभा के अध्यक्ष तेजपाल गोदारा, सागर मेघवाल, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल, गजानंद प्रजापत, नरेश सींवर, गंगाधर मूंड, दिनेश, रोशन खां रंगरेज, मुमताज खां सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

एनएफएसए गिव-अप अभियान की अवधि अब 31 मार्च

चूरू (निस)। खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से अपना नाम हटवाने के लिए रसद विभाग की ओर से गिव अप अभियान की अवधि 31 मार्च, 2025 तक बढ़ाई गई है। डीएसओ महिपाल सिंह ने बताया कि अभियान में अब तक 1826 परिवारों के 8183 लाभार्थी स्वेच्छा से अपना नाम हटवा चुके है। इसके अलावा विभाग की तरफ से हर सप्ताह 20 अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अब तक कुल 80 लाभार्थियों को नोटिस जारी किए गए है, जिनमें से 20 लाभार्थी सरकारी कर्मचारी हैं। विभाग इनके खिलाफ वसूली की कार्यवाही भी कर रहा है। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को खाद्य सुरक्षा में नए लाभार्थियों के नाम जोड़ने के लिए पोर्टल दोबारा शुरू किया गया था। जिले में अब तक 26914 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों में चूरू ग्रामीण क्षेत्र से 1756, चूरू शहरी क्षेत्र से 1134, बीदासर ग्रामीण क्षेत्र से 2720, शहरी क्षेत्र से 764, छापर शहरी क्षेत्र से 516, राजलदेसर शहरी क्षेत्र से 429, राजगढ़ ग्रामीण क्षेत्र से 3077

आपणो बाबा धाम का वार्षिकोत्सव कल से

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में बण्डवा रोड पर स्थित आपणो बाबा धाम का 23 वार्षिकोत्सव 5 व 6 मार्च को मनाया जाएगा। बाबा भक्त बाबुलाल जैन ने बताया दो द्विवसीय धार्मिक आयोजन के तहत 5 मार्च को तीन बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ तुलसीराम पाण्डे की ओर से किया जाएगा। रात्री में भजन कलाकार आकृति मिश्रा व जोगेन्दर सिंह की ओर से बाबा के मीठे-मीठे भजन सुनाए जाएगे। 6 मार्च सुबह 9.15 पर एन एच 11 से मन्दिर तक ध्वज यात्रा निकलेगी। सुबह 11.15 बजे बाबा भक्त भाईजी नोरतन मल दुधेडिया की ओर से बाबा की महाज्योत उसके प्रसाद वितरित किया जाएगा।

सातड़ा गांव में 132 केवी जीएसएस बजट में घोषणा के बाद भी शुरू नहीं: न्यौल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान किसान मजदूर कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष प्रदेश के वरिष्ठ किसान नेता आदूराम न्यौल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि 1 वर्ष पूर्व विधानसभा में प्रथम बजट सत्र में सातड़ा गांव में 132 केवी जीएसएस स्वीकृत किया गया था परंतु आज तक उसका काम भी शुरू नहीं हुआ। किसान नेता न्यौल ने बताया कि 132 के.वी. जी. एस. एस. शुरू नहीं किए जाने से चूरू, रतनगढ़, सरदारशहर के बीच के लगभग 100 गांव और 350 ढाणियों में बिजली संकट गहराया हुआ है। बिजली की आंख मिचौली ट्रिपिंग से किसानों के ट्यूबवेलो की मोटर जल जाती है। किसानों को भारी नुकसान भुगतना पड़ रहा है। किसान नेता न्यौल ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नगर और डिस्कॉम अध्यक्ष आरती डोगरा को अलग-अलग ज्ञापन भेजकर कठोर चेतावनी दी है, कि वह बजट घोषणा के अनुसार 132 केवी जीएसएस अभिलंब शुरू करें जनता से वादा खिलाफी नहीं करें। बिजली की समस्याओं से कृषक बहुत दुखी है उन्होंने कहा कि आंचल के हजारों किसान विलंब होने से जयपुर विधानसभा पर धरना प्रदर्शन करने पर विवश होंगे , किसानों से टकरार मोल न ले। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में खेमचंद माली हरिराम न्यौल, दुलाराम मेघवाल, श्यामलाल नागवान, मुकनाराम जाट, कबीर दास स्वामी, ओमप्रकाश जांगिड़ सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में अलमारी भेंट

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। हनुमान प्रसाद सीताराम सेवा समिति ने सोमवार को ग्राम बुधवाली के महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में एक अलमारी भेंट की। समिति के अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने अपनी सुपौत्री माही दाधीच के जन्मदिन पर विद्यालय में अलमारी भेंट की और सभी विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की। पीईईओ गिरधारीलाल स्वामी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सीताराम शर्मा, विशिष्ट अतिथि आरपी नंदलाल स्वामी, सीए सचिन दाधीच, सीए अंजली शर्मा, माही दाधीच, प्रेरक शिक्षक राकेश गहलोत व कैलास पारीक मंचस्थ अतिथि रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि शर्मा ने समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए समाज के विकास में सभी से सहयोग का आह्वान किया। पीईईओ गिरधारीलाल स्वामी ने समिति की ओर से

राजकीय विद्यालयों में दिए जा रहे सहयोग को प्रेरणादायक कार्य बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नंदलाल स्वामी, सचिन दाधीच, अंजली शर्मा और राकेश गहलोत ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यवाहक संस्था प्रधान आकाश मोयल ने शाब्दिक स्वागत किया। इस मौके पर शिक्षक कुलदीप, इंदु यादव व विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन व्याख्याता राजेंद्र पारीक ने किया।

सत्यनारायण स्वामी को राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सत्यनारायण स्वामी रिटायर्ड अध्यापक को जयपुर में सफारी होटल में एसआर प्रोड्यूकेशन की ओर से आयोजित राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में जयपुर हवामहल विधायक बालमुकुंदचर्या, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत, सफारी के डायरेक्टर पवन गोयल, डॉ सुनीता अग्रवाल सहित अनेक अतिथियों ने रिटायर्ड अध्यापक सत्यनारायण स्वामी को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने व समाज सेवा में कार्य करने के लिए जयपुर के सफारी होटल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वामी की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा की अलख जागते हुए शिक्षा के प्रति बच्चों को प्रेरित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। वहीं

स्वामी की ओर से सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक सराहनीय कार्य करने पर जयपुर में राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया है। स्वामी के सम्मानित होने पर क्षेत्र के लोगों ने स्वामी को बधाइयां देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

शिविर में 61 युवाओं ने किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव उदासर बिदावतान में रविवार को मूलदास स्वामी की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर सुमन स्वामी, लक्ष्मी पूनियां भैरूसर, कान्ता स्वामी, सन्तोष स्वामी, सरोज पूनियां, अमरावती स्वामी सहित 61 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ देवीदास खिलेरिया, गणेशदास स्वामी बरड़ासर, रामचन्द्र दास, किसनदास, सोहनराम सहू, जगदीश खिलेरिया, रामेश्वर कड़वासरा ने किया। नेत्रदान व रक्तदान जनजागरण अभियान के जिला संयोजक गणेशदास स्वामी ने नेत्रदान व रक्तदान के बारे में युवाओं को प्रेरित किया। सरदारशहर में नेत्र संग्रह केन्द्र के

खुलने की जानकारी देकर नेत्रदान की अपील की। आयोजक जगदीश प्रसाद, हरिश्चंद्र, डालचन्द स्वामी ने सभी रक्तदाताओं व अतिथियों का आभार प्रकट किया।

फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर में किसान लाभान्वित

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत परसनेऊ में किसान रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही किसानों का रजिस्ट्रेशन किया गया। सरपंच गोमती देवी ने बताया कि पंचायत में सुचना करवा कर किसानों के रजिस्ट्रेशन करवाया जा रहा है ताकि योग्य किसानों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ मिल सके। यह शिविर पंचायत भवन में तीन दिन चलेगा??। शिविर में तहसीलदार जितेन्द्र सिंह भी पहुंच कर शिविर की व्यवस्था देखी। आमजन की फरियाद सुनी। शिविर में ग्राम सेवक पूनम कंवर पटवारी दिलीप सिंह सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने किया पारीक की पुस्तक का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। खंडेला सीकर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर व पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ और विप्र फाउंडेशन के संस्थापक राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा ने ऑल इंडिया पारीक महासभा की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्षा व विप्र फाउंडेशन की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्या डॉ प्रभा पारीक की पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में किए जाने वाले अभिनव प्रयोगों व विद्यालय शिक्षा में नई शिक्षा नीति के विषय में भी विस्तृत चर्चा की।

पेयजल संकट से गुस्साए लोगों का प्रदर्शन, लाईनमेन बदलने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कस्बे के निकटवर्ती गांव सारोठिया में आधे घरों में पेयजल संकट व्याप्त है, जिसको लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया और चार ग्रामीण टंकी पर भी चढ़ गए। ग्रामीणों ने स्थानीय लाईनमेन के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। सूचना पर तहसीलदार राजू देवी, भू अभिलेख निरीक्षक मानवेंद्र शर्मा, सहायक अभियंता पीयूष कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाईश की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि लाईनमेन चुनीलाल जान बूझकर पेयजल संकट पैदा करता है और केवल रिश्वत लेने के लिए पेयजल सप्लाई सभी घरों को समान रूप से नहीं देता। तहसीलदार ने समुचित कार्यवाही का आश्वासन देते हुए ग्रामीणों से कहा कि जल्द समस्या का समाधान किया जायेगा। इस दौरान अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

विकास कार्यों के लिए चूरू विधायक ने विधानसभा में उठाए प्रश्न

जयपुर टाइम्स

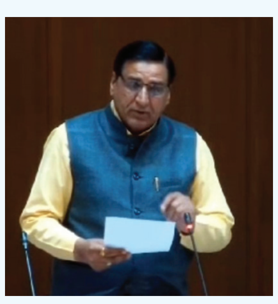

चूरू(निस)। राजस्थान विधानसभा में विधायक हरलाल सहारण ने चूरू विधानसभा में विभिन्न विकास कार्यों को करवाने के संदर्भ में प्रश्न उठाए गए जिसमें उन्होंने मांग उठाई कि चूरू विधानसभा में पिछले पांच वर्षों में एक भी प्राथमिक दुग्ध उत्पादन केंद्र की स्थापना नहीं गई उन्होंने जानकारी चाही कि क्या ऐसी कोई योजना सरकार के पास है। विधायक हरलाल सहारण ने बोलते हुए मांग की कि चूरू में क्रय विक्रय समिति का 60 वर्ष पुराना जीर्ण शीर्ण भवन है उसके निर्माण के लिए उन्होंने 50 लाख रुपए आवंटित करने की अपील करते हुए कहा कि इस भवन को कृषि मंडी में बनाया जाए जिससे किसानों को सुविधा मिल सके। विधायक हरलाल सहारण की मांग पर संबंधित मंत्री ने सकारात्मक जबाव देते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित है और शीघ्र ही इस पर निर्णय कर लिया जाएगा।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने दी मंजूरी, ढाणी पांचेरा व फोगां के बीच बनेगी नई सड़क

2.80 करोड़ की लागत से बनेगी 7 किमी सड़क

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड क्षेत्र में ढाणी पांचेरा से फोगां भरथरी तक 7 किलोमीटर की नई सड़क बनेगी। राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में इस मिसिंग लिंक सड़क के लिए 2 करोड़ 80 लाख रुपए की राशि मंजूर की है। इस सड़क की स्वीकृति मिलने पर ग्राम पंचायत के सरपंच भरतराज सारण, मदनलाल शर्मा और राजाराम हुड्डा ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात की। उन्होंने डिप्टी सीएम को गुलदस्ता भेंटकर आभार व्यक्त किया। सरपंच भरतराज सारण ने बताया कि इस सड़क की मंजूरी में युवा उद्यमी राजेश सारण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। राजेश सारण ने व्यक्तिगत रूप से उपमुख्यमंत्री से मिलकर इस मामले को उनके संज्ञान में लाया था। इसके बाद ही बजट में इस सड़क को शामिल किया गया। ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने जयपुर जाकर राजेश सारण को भी बधाई दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

त्वरित निस्तारण से सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी शून्य करें अधिकारी: अभिषेक सुराणा

जिला कलेक्टर ने आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक बैठक व हरियालो राजस्थान अभियान को लेकर बैठक में दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक बैठक में अधिकारियों से रिपोर्ट प्राप्त करते हुए समुचित निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि सभी अधिकारी सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करते हुए पेंडेंसी शून्य करें। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों में अधिकारी प्राथमिकता से समुचित जवाब दें और परिवादियों को संतुष्ट करें। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों से कहा कि ओलावृष्टि से हुए फसल खराबे के लिए कृषक हितों को ध्यान में रखते हुए गिरदावरी कार्य को यथाशीघ्र पूरा करें। किसानों की फसल को हुए नुकसान का उन्हें समुचित मुआवजा मिल सके, इसके लिए नियमानुसार सभी गतिविधियां संपादित करें। इसी के साथ फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविरों की मॉनिटरिंग करें व निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करें। उपखंड अधिकारी व तहसीलदार किसानों को स्वयं गिरदावरी करने के लिए जागरूक करें। उपखंड अधिकारी शिविरों का अवलोकन करें और साथ ही वन विभाग, ग्रामीण विकास व वाटरशेड के कार्यों का भी निरीक्षण करें। सुराणा ने कहा कि उपखंड अधिकारी स्तर पर एनएफएसए अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को फॉरवर्ड करें तथा पेंडेंसी समाप्त करें। उपखंड अधिकारी बीसीएमओ के साथ समन्वय से पीसीपीएनडीटी एक्ट में रेडियोलॉजी संस्थानों की जांच करें तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें। इसी के साथ सभी तहसीलदार व राजस्व टीम नामांतरण, विभाजन व सीमाज्ञान से संबंधित आवेदनों को डिस्पोज करें। प्रकरणों व आवेदनों में अनावश्यक पेंडेंसी न रखें। उन्होंने विकास अधिकारियों से कहा कि महानरेगा में शून्य लेबर वाले ग्राम पंचायतों में मस्टरोल जारी करें व लेबर इंगेज करें। इसी के साथ 300 से अधिक लेबर चलने वाली ग्राम पंचायतों का निरीक्षण करें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों, परिवहन विभाग, एक्साइज, खनन व कमर्शियल टैक्स विभाग के अधिकारियों को राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकाय अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम से पहले गेनाणियो को खाली करें और नाली व नालों की सफाई करवाएं। इसके लिए समुचित प्रबंधन करें। विकास अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भराव की समस्या के लिए समुचित प्रबंधन करें और सभी गतिविधियां समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करें। हरियालो राजस्थान अभियान की बैठक में उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत सम्पूर्ण प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी विभाग उन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्ययोजना बनाते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें और सभी गतिविधियां समयबद्ध ढंग से पूरी करें। जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं में भूमि आवंटन, पानी भराव के लिए रिचार्ज वेल बनाने, अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन, रबी 2021-22 में रिजेक्टेड पॉलिसी के रिसर्वे, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वच्छता सर्वेक्षण, कचरा प्रबंधन, एनएफएसए, पंचायतीराज व ग्रामीण विकास, पीएम आवास योजना, पालनहार व सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में वार्षिक सत्यापन, पीसीपीएनडीटी एक्ट, गिरदावरी, राजस्व अर्जन सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। एडीएम अर्पिता सोनी ने एनएफएसए आवेदनों व निर्वाचन विभाग से जुड़े बिन्दुओं पर चर्चा की। इस दौरान डीसीएफ वीरेन्द्र कृष्णिया, एसीईओ दुर्गा ढ़ाका, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, सानिवि एसई पंकज यादव, सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा, डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया, कृषि संयुक्त निदेशक मुकेश माथुर, डीईओ प्रारंभिक संतोष महर्षि, डीटीओ नरेश कुमार, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल, उद्योग महाप्रबंधक उजाला, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत सहित सभी उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े रहे।

जलदाय विभाग ने 320 बकाएदारों को दिए नोटिस, जल्द कटेंगे कनेक्शन!

सरकारी विभागों में एक करोड़ से अधिक बकाया

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की बहुमंजिला इमारतों और आलीशान बंगलों में रहने वाले लोग पानी की एक-एक बूंद बचाने की बात तो करते हैं लेकिन जब बिल भरने की बारी आती है तो न जाने क्यों चुप्पी साध लेते हैं। जलदाय विभाग के रिकॉर्ड में ऐसे बकायेदारों की लंबी सूची है। जिन्होंने लाखों का पानी पी तो लिया लेकिन अब बिल देने में आनाकानी कर रहे हैं। इनमें सरकारी विभाग भी शामिल हैं। जिन पर जलदाय विभाग का एक करोड़ 6 लाख रुपए से अधिक पानी का बिल बकाया है। जलदाय विभाग के अफसरों ने 11 सरकारी कार्यालयों व 320 अन्य बकायेदारों को बिल जमा करने के नोटिस जारी किए हैं। बकाया नहीं चुकाने पर कनेक्शन काटे जाएंगे। बकायादारों में बड़े लोग भी शामिल हैं। शहर में तीन सौ से अधिक बकायादारों को पानी का बिल जमा कराने के लिए नोटिस दिए गए है। जिन पर लाखों का पानी बिल बकाया है। जो वर्षों से बिल भुगतान को टालते आ रहे हैं। जलदाय विभाग के अधिकारी रामदेव पारीक ने बताया कि हर बार जब नोटिस भेजा जाता है तो कुछ बकायादार पैसे भर देते हैं। लेकिन कुछ बहाने बनाते रहते हैं। कोई कहता है कि बिल गलत आया है तो कोई फाइल आगे बढ़ाने की बात करता है। लेकिन अब और ढील नहीं दी जाएगी। इन सरकारी विभागों पर जलदाय विभाग के अफसरों के अनुसार बकाया चल रहें हैं। शहर के वन विभाग पर 62 लाख 20 हजार, नगरपरिषद पर 30 लाख, विद्युत विभाग पर तीन लाख 45 हजार, चिकित्सा विभाग पर दो लाख 48 हजार, शिक्षा विभाग पर दो लाख 40 हजार, पुलिस विभाग पर

एक लाख 40 हजार, उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पर एक लाख 17 हजार, विकास अधिकारी कार्यालय पर एक लाख 10 हजार, सार्वजनिक निर्माण विभाग पर 98 हजार, तहसील कार्यालय पर 70 हजार व सिंचाई विभाग पर 12 हजार रूपये बकाया चल रहे है। इसके अलावा 320 उपभोक्ताओं के भी बकाया चल रहा है, जिनको नोटिस दिया गया। शहर में पानी के बिलों की बकाया राशि की वसूली के लिए अभियान जारी है। बकायादारों को बकाया राशि जमा कराने के लिए नोटिस जारी किए हैं। बकाया राशि जमा नहीं कराने पर जल के कनेक्शन काटने के लिए जलदाय विभाग ने अलग अलग टीमों का गठन किया है। जलदाय विभाग बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्यवाही को लेकर तैयारी कर रहा है।

झारिया में सद्भावना प्रतिभा सम्मान समारोह में 65 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। कस्बे के निकटवर्ती गांव झारिया के गोगामेड़ी खेल मैदान में रविवार को द्वितीय सद्भावना प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत कार्मिक, नव नियुक्त सरकारी कार्मिक, संविदा कार्मिक, खेल के क्षेत्र में स्टेट खिलाड़ी, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टर्स, भामाशाह व कक्षा 10वीं व 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 65 प्रतिभाओं को प्रशस्ति-पत्र व प्रतीक चिन्ह् प्रदान कर सम्मानित किया गया। कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद सलीम खान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमदास महाराज व इमाम इसहाक काजी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश कस्वां रहें। इस अवसर पर कस्वां ने कहा कि विद्यार्थी एक लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करें सफलता आपके कदम चूमेगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज योगाचार्य ने जैविक खेती पर ध्यान आकर्षित कराते हुए शुद्ध खान-पान पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्यनारायण स्वामी ने कहा कि शिक्षा के बिना मनुष्य का विकास संभव नहीं है। विशिष्ट अतिथि अस्त अली खान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में राजकुमारी सारण, व्यवस्थापक कुम्भाराम, शर्मिला सारण, राजेश कस्वां व अर्जुन सिंह मंचस्थ अतिथि रहे। कमेटी सदस्य एडवोकेट सुनील मेघवाल ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि निरंतर परिश्रम करते रहोगे तो एक दिन जरूर कामयाब होंगे। इस अवसर पर भवानी शंकर शर्मा, शफी मोहम्मद, विद्याधर फौजी, लीलाधर गोदारा, हसन खान, आमिर खान, बृजलाल, सुनील गोदारा, मंगतुराम आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छगन लाल शर्मा व राजवीर सारण ने किया।

ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद, धरतीपुत्रों ने मुआवजे की मांग को लेकर भरी हुंकार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड इलाके में अखिल भारतीय किसान सभा ने ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर भानीपुरा तहसील कार्यालय के सामने धरना दिया। किसान सभा के अध्यक्ष भगवान राम जाखड़ की अध्यक्षता में किसानों ने तहसील कार्यालय का घेराव किया। प्रदेश प्रतिनिधि छगनलाल चौधरी ने कहा कि रिलायंस फसल बीमा कंपनी ने अभी तक सही तरीके से सर्वे नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी फसल नुकसान का क्लेम देने से बच रही है। कम्युनिस्ट पार्टी नेता रामकृष्ण छींपा ने बताया कि भानीपुरा क्षेत्र के लगभग 70 गांवों में ओलावृष्टि से गेहूं, इसबगोल, सरसों और चने की फसलें बर्बाद हो गई हैं। प्रभावित गांवों में बाददिया, भानीपुरा, मालसर, नाहरसरा, लूणासर, राजासर पांवरान समेत कई गांव शामिल शामिल हैं। किसान सभा के तहसील मंत्री काशीराम सारण ने तहसीलदार

अनिल कुमार मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिला तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। धरने में पूसाराम, हरिराम, मामराज, बलवीर, चेतनराम, कन्हैयालाल, मुकेश और भवानी सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने 315 बाल वाहिनियों की जांच की, 8 बसों को किया सीज

सड़क दुर्घटनाओं के तुलनात्मक अध्ययन से करें प्रभावी सड़क सुरक्षा प्रबंधन: सुराणा

कलक्टर व एसपी ने सड़क सुरक्षा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व एसपी जय यादव ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में सड़क सुरक्षा बैठक में अधिकारियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के तुलनात्मक अध्ययन से प्रभावी सड़क सुरक्षा प्रबंधन करें। सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी अपनी विभागीय गतिविधियों का समुचित एनालिसिस करते हुए समयबद्ध ढंग से संपादित करें। इसी के साथ सभी एजेंसियां रोड सेफ्टी ऑडिट करवाएं व रिपोर्ट प्रस्तुत करें और ऑब्जर्वेशन पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग चलने वाले वाहनों व बिना फिटनेस चलने वाली बाल वाहिनियों पर कार्रवाई करें। टोल प्लाजा पर नियमित रूप से नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएं तथा आमजन को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों की समन्वित भागीदारी से सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्राण करें। सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को जानने के बाद उनके निराकरण की दिशा में प्रयास करें। सभी विभाग अपेक्षित गतिविधियां पूरी करें। इसी के साथ सड़क सुरक्षा फंड के उपयोग के लिए आवश्यक प्रस्ताव भिजवाएं। उन्होंने जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए अधिकतम सड़क दुर्घटनाओं वाले स्थानों पर दुर्घटना के कारणों पर चर्चा करते हुए अपेक्षित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एसपी जय यादव ने कहा कि रोड इंजीनियरिंग का विशेष ख्याल रखें। सड़क दुर्घटनाओं का अहम कारण रोड इंजीनियरिंग में रही कमियां है। इन खामियों को दुरूस्त करें और हम सभी को सड़क हादसों की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों को सम्मानित करें। मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले भले व्यक्तियों को पुरस्कार स्वरूप 10 हजार रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के समन्वय से ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक कर ड्राइव करने वालों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करें। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा के लिहाज से रिडकोर, आरएसआरडीसी, एनएचएआई इत्यादि रोड ऑनिंग एजेंसी सड़कों पर आवश्यक मार्किंग, इल्यूजन ब्रेकर, साइनेज आदि लगाने, सड़कों के किनारे कंटीली झाड़ियों, कचरे के डिपो, अवांछित सामग्री आदि को हटवाने, सड़क सुरक्षा ऑडिट करवाने, स्पीड ब्रेकर बनवाने, रोशनी व ब्लैक स्पॉट चिन्हीकरण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों व एजेंसियों के अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा को लेकर की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी। इस दौरान डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, प्रशिक्षु आरएएस साक्षी पुरी, सानिवि एसई पंकज यादव, डीटीओ नरेश कुमार, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा सहित एनएचएआई, एआईआरडी, रिडकोर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने 315 बाल वाहिनियों की जांच की, 8 बसें सीज

बैठक के दौरान डीटीओ नरेश कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशानुसार विभाग के अधिकारियों की ओर से जिले में पंजीकृत कुल 770 बाल वाहिनियों में से 315 बाल वाहिनियों की जांच की गई। जांच के बाद 69 चालान बनाए गए हैं तथा 08 बसों को सीज किया गया है। इसी के साथ बिना फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र व परमिट नहीं होने के संचालित होने वाली 249 बाल वाहिनियों को नोटिस जारी कर 219 वाहनों का पंजीयन निलंबित किया गया है। उन्होंने सभी स्कूल संचालकों से अपील की है कि संस्थान की समस्त बाल वाहिनियों के समस्त दस्तावेज पूर्ण कर ही संचालन करें। आगे भी अवैध व विभागीय नियमों का पालन नहीं करने वाली बाल वाहिनियों पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।